दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 162
मुरादाबाद
(Friday)
03 October 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

असत्य पर सत्य की विजय पर धु धु कर जला रावण

पीएम और राष्ट्रपति ने राजघाट पर बापू को दी श्रद्धांजलि, दिया संदेश

पीएम मोदी बोले- RSS प्रमुख का भाषण प्रेरणादायक, भारत की क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की बात कही

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के भाषण की सराहना की और इसे प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस भाषण में भारत की अंतर्निहित क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, %परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का प्रेरणादायक भाषण, जिसमें आरएसएस के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला गया और हमारी धरती की अंतर्निहित क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया, जिससे पूरी पृथ्वी को लाभ मिलेगा।% मोदी 1980 के दशक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने से पहले आरएसएस प्रचारक थे।आरएसएस प्रमुख ने अपने भाषण में क्या कहा? गुरुवार को नागपुर में अपने भाषण में आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हिंदू समाज की ताकत और चरित्र एकता की गारंटी देते हैं और समुदाय में %हम और वे% की अवधारणा कभी मौजूद नहीं रही। उन्होंने स्वदेशी (उत्पादों का उपयोग) और स्वावलंबन (आत्मनिर्भरता) का समर्थन किया और कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद अन्य देशों की प्रतिक्रियाओं ने उनकी भारत के साथ मित्रता की प्रकृति और सीमा को बता दिया है। आरएसएस की स्थापना 1925 में विजयदशमी के दिन ही हुई थी और यह अपने शताब्दी वर्ष का जश्न मना रहा है। आरएसएस कुछ लोगों के साथ शुरू हुआ था। लेकिन अब यह देश का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बन चुका है। भाजपा वैचारिक रूप से इस हिंदुत्ववादी संगठन से प्रेरित है।आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत तमाम नेता राजघाट पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी प्रतिमा को नमन किया और पुष्प अर्पित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा को बदल दिया और आज भी भारत के विकास की दिशा तय कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि गांधीजी ने दिखाया कि साहस और सादगी बड़े बदलाव के उपकरण बन सकते हैं। उन्होंने सेवा और करुणा की शक्ति में विश्वास रखा, जो लोगों को सशक्त बनाने का मूल आधार है। उन्होंने कहा, गांधी जयंती प्यारे बापू के असाधारण जीवन को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है, जिनके आदर्शों ने मानव इतिहास का मार्ग बदल दिया। उन्होंने दिखाया कि साहस और सादगी कैसे बड़े बदलाव ला सकते हैं। वह सेवा और करुणा को लोगों को सशक्त बनाने के जरूरी माध्यम मानते थे। हम उनका रास्ता अपनाकर विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ेंगे। दो अक्तूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे मोहनदास करमचंद गांधी अहिंसा और सत्याग्रह के प्रवर्तक थे। उनके विचारों ने लाखों भारतीयों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली में गांधी स्मृति स्थल पर नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी। भारत की स्वतंत्रता के कुछ महीने बाद यह घटना हुई। उनका जीवन और बलिदान दुनियाभर में शांति और मानव गरिमा का प्रतीक बना हुआ है। सशक्त व समृद्ध भारत का निर्माण कर गांधी के सपनों को साकार करेंगे- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले गांधी जयंती के मौके पर राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, गांधी जयंती हम सभी के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों और जीवन मूल्यों के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित करने का अवसर है। गांधीजी ने विश्व को शांति, सहिष्णुता और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जो संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत है। वह आजीवन अस्पृश्यता, निरक्षरता, नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से समाज के कमजोर से कमजोर व्यक्ति को संबल और शक्ति प्रदान की।राष्ट्रपति ने कहा, नैतिकता और सदाचार में उनका अटूट विश्वास था जिसका उन्होंने आजीवन पालन किया और जन समुदाय को भी उस मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। एक स्वावलंबी, आत्मनिर्भर और शिक्षित भारत के निर्माण के लिए उन्होंने चरखा चलाकर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। अपने आचरण एवं उपदेशों के माध्यम से वे सदैव श्रम की गरिमा को प्रतिष्ठित करते रहे। उनके जीवन-मूल्य आज भी प्रासंगिक हैं और भविष्य में भी बने रहेंगे। आइए, गांधी जयंती के इस शुभ अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि हम सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र के कल्याण और प्रगति के लिए समर्पित रहेंगे और एक स्वच्छ, समर्थ, सशक्त व समृद्ध भारत का निर्माण करके गांधी जी के सपनों को साकार करेंगे। दशहरा पर्व आज पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पर्व पर 10 बुराइयों को खात्मे का संकल्प लेना होगा, तभी बदलाव आएगा। दशहरे पर बुराई के प्रतीक रावण का दहन तो हो जाएगा मगर समाज में फैली असली बुराई कब खत्म होगी। इसके लिए किसी एक को नहीं बल्कि सभी को मिलकर संकल्प लेना होगा। लोगों को पहल करनी होगी तो संबंधित विभागीय अफसर भी उसे अमल में लाएं। इसके बाद ही बुराई का खात्मा हो सकेगा। मिलावटी खाद्य, नकली दवाओं से जान का खतरा- मिलावटी दूध, घी, खोआ और नकली दवाएं। ये बाजार में खूब बिक रही हैं। हाल ही में पांच फर्म की 71 करोड़ की नकली दवाएं जब्त की गईं। दूध, पनीर, घी, तेल समेत 70 फीसदी जांच में नमूने फेल मिले। बीमारियां बढ़ने के साथ ही जान का भी खतरा है। इतना ही नहीं कपड़े, जूते, ऑटोपार्ट्स, मोबिल ऑयल समेत अन्य जरूरत के सामान भी नकली मिले हैं। इस बुराई के खात्मे से सेहत सुधरेगी। लोग आर्थिक नुकसान से भी बचेंगे।अहंकार का प्रमाण। नियमों का उल्लंघन। घर के गेट, रास्ते, सड़क से लेकर बाजार में व्यापार तक, हर जगह अतिक्रमण। पार्क, तालाब, खेल के मैदान से लेकर आम रास्ते तक अतिक्रमण से मुक्ति चाहते हैं। पुलिस, प्रशासन और संबंधित विभाग इसे बुराई का जन सहयोग से अंत कर सकता है। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार की बुराई- विकास का पर्याय माने जानी वाली सड़कें सुरक्षित नहीं। वजह भ्रष्टाचार। इसके अलावा कहीं इंजीनियरिंग की खामियां, तो कहीं साइनेज नहीं। सड़क निर्माण की घटिया गुणवत्ता से सफर जोखिम से भरा हो रहा है। गड्ढा मुक्ति के दावे भी हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। सुरक्षित सड़क के लिए भ्रष्टाचार की बुराई का अंत होना चाहिए। साइबर अपराध बना मुसीबत पहले चोर-लुटेरे सड़कों पर लूटते थे। मगर वर्तमान में साइबर अपराध अपने चरम पर है। पलभर में जमा पूंजी में सेंध लग जाती है। आरोपी भी पकड़े जाते हैं। मगर पीड़ितों की गई रकम बमुश्किल वापस मिल पाती है। सबसे पहले इस अपराध पर रोक लगना जरूरी है। लोग भी जागरूक बनें, जिससे इन अपराधियों को ठगने का मौका नहीं मिले।

संक्षिप्त समाचार

मोहन भागवत का संबोधनः पहलगाम हमला, टैरिफ...पड़ोस की उथल-पुथल से लेकर हिंदू राष्ट्र तक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का शताब्दी समारोह और विजयादशमी उत्सव का आयोजन नागपुर में हुआ। समारोह में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शामिल हुए। समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी उपस्थित रहे।राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के 100 साल पूरा होने पर नागपुर में विजयदशमी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर मोहन भागवत ने देश के लोगों से स्वदेशी की अपील की और पड़ोसी देशों में जारी उथल-पुथल का भी जिक्र किया। इसके साथ ही संघ प्रमुख ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। अपने संबोधन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा यह वर्ष गुरु तेग बहादुर के बलिदान का 350वां वर्ष है। हिंद की चादर बनकर गुरु तेग बहादुर ने सांप्रदायिक सद्भाव के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। आज दो अक्टूबर है तो स्वर्गीय महात्मा गांधी की जयंती है अपने स्वतंत्रता की लड़ाई में उनका योगदान अविस्मरणीय है। लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत कैसा हो उसके बारे में विचार देने वाले हमारे उस समय के दार्शनिक नेता थे उनमें उनका स्थान अग्रणीय हैं....जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण दिए ऐसे स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का आज जयंती है। भक्ति, देश सेवा के ये उत्तम उदाहरण हैं।

बरेली में जुमा को लेकर अलर्ट.. दो दिन के लिए इंटरनेट सेवा बंद;शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

बरेली में बीते शुक्रवार को हुए बवाल के बाद दो दिन तक इंटरनेट सेवा बंद रही थी। इसके बाद से हालात सामान्य हैं। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर जुमा से पहले बृहस्पतिवार को दोपहर तीन बजे से इंटरनेट सेवा फिर बंद कर दी गई है। बीएसएनएल के जीएम ने इसकी पुष्टि की है। बरेली जिले में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। दशहरा और इसके बाद शुक्रवार को जुमे की नमाज को देखते हुए चौकसी और बढ़ा दी गई है। शहर के हालात देखते हुए दूसरे जिलों से आई पुलिस को चार अक्तूबर तक रोक लिया गया है। वहीं शासन के निर्देश पर जिले में इंटरनेट सेवा फिर बंद कर दी गई है। जारी आदेश में बताया गया है कि बृहस्पतिवार दोपहर तीन बजे से चार अक्तूबर यानी शनिवार को तीन बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। खबर फैलते ही

लोगों में मची खलबली - बृहस्पतिवार दोपहर में इंटरनेट बंद होने की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो लोग एक-दूसरे को आदेश की कॉपी भेजते रहे। दो दिन के लिए दोबारा इंटरनेट बंद होने से लोगों में खलबली मच गई। परिचितों से पता करते रहे। इस संबंध में बीएसएनएल के जीएम पंकज पोरवाल ने बताया कि शासन के निर्देश पर दो दिन के लिए इंटरनेट सेवा को बंद किया गया है। इस दौरान एसएमएस भी नहीं कर सकेंगे। बता दें कि पिछले शुक्रवार को हुए बवाल के बाद जिले में दो दिन तक इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी। दशहरा और जुमा पर पुलिस अलर्ट शहर में हालात पूरी तरह सामान्य हैं। आम दिनों की तरह बाजार में चहल-पहल है। वहीं दशहरा और इसके बाद जुमे की नमाज को देखते हुए सुरक्षा बढ़ाई है। पुलिस प्रशासन के अफसर लगातार भ्रमणशील हैं। एसपी साउथ अंशिका वर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल ने बृहस्तपिवार को शहर के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया। एसपी साउथ ने बताया कि महिला एसओजी की वीरांगना यूनिट के साथ महिला क्यूआरटी की छह टीमें तैनात की गई हैं। प्रत्येक टीम में 30-35 कर्मी हैं। क्यूआरटी हर तरह की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं। कंट्रोल रूम से भीड़ की गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। जहां भी भीड़ जमा होती दिखेगी, अलर्ट जारी कर दिया जाएगा और संबंधित बल को तैनात कर दिया जाएगा।

लोकतंत्र पर हमला भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा, कोलंबिया से मोदी सरकार पर राहुल गांधी का निशाना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। दक्षिण अमेरिकी राज्य कोलंबिया में एक विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- आज भारत के सामने सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हो रहा हमले है। वर्तमान में इस पर हमला किया जा रहा है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दक्षिणी अमेरिकी राज्य कोलंबिया की ईआईए यूनिवर्सिटीमें इंजीनियरिंग छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत के सामने सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हो रहे हमले का है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश को लोकतंत्र की जरूरत है, लेकिन वर्तमान समय में यह व्यवस्था सभी तरफ से दबाव और हमले झेल रही है।भारत की ताकत और चीन से फर्क- इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत की तुलना चीन से करना सही नहीं है। चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली पर चलता है। भारत विकेंद्रीकृत है, यहां कई भाषाएं, धर्म और परंपराएं हैं। उन्होंने कहा, %भारत का सिस्टम बहुत जटिल है। हमारी ताकत इसी विविधता में है। हम चीन की तरह लोगों को दबाकर तानाशाही नहीं चला सकते।

भारत का ढांचा लोकतांत्रिक है और इसे वही तरीका चाहिए, जिसमें सबको जगह और सम्मान मिले।% %लोकतंत्र पर हमला सबसे बड़ा खतरा%- राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक संवाद है, जहां अलग-अलग धर्म, विचार और परंपराएं साथ रहती हैं। लोकतंत्र इन सभी को जगह देता है। आज इसी व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला हो रहा है। उन्होंने चेताया कि अगर अलग-अलग भाषाओं, धर्मों और परंपराओं को दबाया गया तो देश में दरारें गहरी होंगी। ऊर्जा संक्रमण और वैश्विक शक्तियां - कांग्रेस नेता ने इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि सुपरपावर बनने का सफर ऊर्जा परिवर्तन से जुड़ा होता है। ब्रिटेन ने कोयला और स्टीम इंजन पर कब्जा किया और साम्राज्य बनाया। अमेरिका ने कोयले से पेट्रोल और इंटरनल कम्बशन इंजन की ओर बदलाव का नेतृत्व किया। अब दुनिया पेट्रोल से बैटरी और इलेक्ट्रिक मोटर की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज असली मुकाबला अमेरिका और चीन के बीच इसी ट्रांजिशन को लेकर है और अभी तक चीन बढ़त बनाए हुए है। भारत इस टकराव के बीचों-बीच खड़ा है। भारत की क्षमता और चुनौतियां- राहुल गांधी ने कहा कि भारत की जनसंख्या चीन से भी ज्यादा है और उसकी विविधता उसकी ताकत है। भारत के पास प्राचीन आध्यात्मिक और वैचारिक परंपरा है, जो आज की दुनिया के लिए बहुत उपयोगी है। लेकिन भारत की सबसे बड़ी समस्या रोजगार सृजन है। उन्होंने कहा, %हमारी अर्थव्यवस्था सेवा-आधारित है, इस कारण हम पर्याप्त उत्पादन और नौकरियां नहीं दे पा रहे हैं। चीन ने बिना लोकतंत्र के उत्पादन दिखाया है। लेकिन भारत को उत्पादन का ऐसा मॉडल विकसित करना होगा, जो लोकतांत्रिक ढांचे में रहते हुए चीन से प्रतिस्पर्धा कर सके।

संपादकीय Editorial

After these three months

Three months of rain, the fear of passing away, and a pause haunted every moment in Himachal this time. While the state was beginning to return to normal, traders began preparing to clear their debts during the festive season, farmers held on to their shattered hopes for their farms, while laborers returned in search of daily wages. The cycle of life never ceases, but thorns in the path must be removed. The rainy season passed with us wondering what we had done to our plight. Three months saw many daggers, many barren lands, the collapse of development, and a sea of ??sighs. In such a situation, what roadmap does the three months of preparation, anticipating rain, require? The stalled construction machinery, the stagnant business environment, and the people's breathless breath now need the glimmers of faith that will fill the calendar with prosperity. Three months have destroyed many homes, many towns, and many laughters. Many vestiges of connectivity have been erased, and Manali's investment and tourism have been devastated. Three months have devastated Himachal's transportation sector and plunged tourist destinations into a deep uncertainty. Rains not only wash away sand and gravel, but also shatter hopes of work. In this context, standards for central projects have also been compromised. For example, if these fatal three months are subtracted from the deadline for Dharamshala Smart City projects, additional time will be needed to complete the work. Similarly, the water supply of almost every city will be urgently needed to recover from the devastation caused by the rains. Private investment in government contracts needs a reprieve. If a pillar of the Dharamshala Ropeway spends too long in inspection, the damage figures will beg for mercy. Many families displaced by weakened roofs or destroyed progress maps will need a permanent method of rehabilitation. The bottom line of all the relief applications and the sentiments of rescue is that the state will now have to absorb the anguish of three months in the rain of its own plans. Every state budget must find a character to counter the annual rains. If we want to keep schools on vacation, every home's windows open during a disaster, businesses in the market, and the breads being baked on every common man's stove safe, then these months must be protected. The state must anticipate the rains before the monsoons and ensure proper drainage. Instead of building dams on ravines, streams, and rivers, we must prepare for water flow. De-silting must be made a source of income and ensure adequate water storage before the monsoons, so that the Nurpur region's agriculture doesn't lose its vitality due to the flood gates being opened. Relief and rescue plans must be developed for every village, town, and city. Among the most important decisions, it's crucial to carefully steer the development chariot forward so that the Dharampur bus stand doesn't have to be destroyed again and again. Planning for Himachal now requires some restrictions and some contracts.

Inheritance disputes within family parties: When will they be curbed?

In fact, succession battles in family parties erupt when the party founder becomes weak and power slips from his grasp. Voters may follow Indian family traditions, but they only accept as their political successor the one the head of the political family declares as their successor. With assembly elections looming in Bihar, the Rashtriya Janata Dal (RJD) is currently going through a family crisis. Party founder Lalu Prasad Yadav is less active due to health reasons. In Indian tradition, the eldest son is the successor, but in the RJD, Lalu's younger son, Tejaswi Yadav, has been accepted instead of his elder son, Tej Pratap. Despite this, tensions within the party have increased. Tej Pratap Yadav has been expelled from the RJD. In response, he has formed his own party, the Janshakti Janata Dal. His sister, Rohini Acharya, is sometimes seen supporting Tej Pratap and sometimes indirectly attacking Tejashwi. The power struggle within the RJD is believed to be rooted in Haryana-born Sanjay Yadav, a close associate of Tejashwi Yadav and a Rajya Sabha member of the party. However, in the last Lok Sabha elections, the party was clearly seen trying to appease family members. Rohini Acharya was given the ticket for the Saran Lok Sabha seat, and Misa Bharti for the Pataliputra seat. Tejashwi and Tej Pratap are already members of the Legislative Assembly. Lalu Yadav's eldest daughter, Misa, won the election, while Rohini lost. Misa has remained silent these days, but her displeasure has been surfacing. Such crises often arise in family-centered parties. While family-oriented parties may ostensibly adhere to parliamentary political traditions and decorum, in reality, they are run like private limited companies. The RJD faces a similar situation. However, the RJD is not the only party in this situation. The Samajwadi Party in Uttar Pradesh, the Bharat Rashtra Samithi in Telangana, the YSR Congress in Andhra Pradesh, the Janata Dal-S in Karnataka, the DMK in Tamil Nadu, the Trinamool Congress in Bengal, the Indian National Lok Dal in Haryana, and the Shiromani Akali Dal in Punjab are all family parties. While the formalities of following democratic traditions and election laws are observed, the real center of power remains a family. When the founder of these family parties begins to weaken, a battle for wealth, power, and succession erupts. What is happening in the RJD is a manifestation of this. Like the RJD, family feuds have also erupted in the Bharat Rashtra Samithi, which held power in Telangana for ten years. K. Kavitha, the daughter of party founder K. Chandrashekhar Rao, has been suspended from the party. She has been at odds with her own brother, K.T. Rama Rao, considered Chandrashekhar Rao's successor. His sister Y.S. Sharmila has launched a campaign against Jagan Mohan Reddy, the head of the YSR Congress, which held power in Andhra Pradesh, adjacent to Telangana, for ten years. The family feud within the YSR Congress party is also fueled by family property and power sharing. Disputes over power and property continue within neighboring Tamil Nadu's first political family. K. Karunanidhi established his younger son, M.K. Stalin, as his successor. However, his second son, M.K. Alagiri, did not accept Stalin's patronage. Consequently, the family's succession struggle continued. A property dispute between Kalanidhi Maran and Dayanidhi Maran, sons of Karunanidhi's nephew, Murasoli Maran, recently made national media headlines. The Chautala family in Haryana has been fractured in the political succession battle. A few years ago, a similar property and succession battle erupted within the Samajwadi Party in Uttar Pradesh. Shivpal Yadav was considered the natural successor to SP founder Mulayam Singh Yadav, but in 2012, Mulayam's son, Akhilesh Yadav, assumed power. The subsequent succession battle raged during the latter years of the party's rule, escalating only when Shivpal accepted his nephew's patronage. Another family feud continues within the Apna Dal, another party in Uttar Pradesh. In Maharashtra, Raj Thackeray emerged as the natural successor to Shiv Sena founder Balasaheb Thackeray. However, when it came to handing over the reins, Balasaheb Thackeray trusted his son, Uddhav Thackeray, leading to a battle of succession within the Shiv Sena. In fact, succession battles in family parties often erupt when the founder of the party becomes weak and power slips from his grasp. While voters may adhere to Indian family traditions, they tend to accept as political successors only those whom the head of the political family declares as their successor. Stalin and Akhilesh Yadav are examples of this. Now it remains to be seen whether the people of Bihar will adhere to this tradition or adopt a different approach. However, the possibility of Tej Pratap and Rohini's rebellion impacting the RJD's electoral results has increased.

A Cultural Clash Crisis: Trump Inciting European Countries Against Refugees and Immigrants

It's true that in almost all Western countries, including Britain and the United States, Indian immigrants are portrayed as educated, peaceful, hardworking, and ambitious. However, not all immigrant communities are the same, and the undesirable actions of one or two can turn the tide against the entire community. Therefore, the Indian community needs to be vigilant. The United States is considered one of the founders and patrons of the United Nations. In his address to the UN General Assembly, US President Donald Trump attempted to incite European countries against refugees and immigrants. Assistance to refugees is a key objective of the UN's founding, as it protects human rights. In his address, Trump stated that an army of intruding immigrants is destroying Europe's heritage and that the UN, by providing assistance to refugees, is exacerbating this crisis. It's worth noting that earlier this month, some right-wing groups organized a massive protest in central London, attended by approximately 150,000 people. Clashes broke out between police and protesters, and dozens of police officers were injured. Over a century of immigration has transformed London into a multi-ethnic and multicultural metropolis. Immigrants comprise over 41 percent of the population. In more than ten districts in North-West, East, and Central London, immigrants constitute 55 to 60 percent. The mayor is an immigrant of Pakistani origin. The problem here is the influx of immigrants who cross the English Channel between France and Britain in small boats and canoes. Most of them are from Afghanistan, Iran, Syria, India, Pakistan, Bangladesh, and other African countries. Their numbers rapidly increased during the COVID-19 pandemic, surpassing 45,000 annually, leading to the fall of the Sunak government. Prime Minister Starmer's government's measures did reduce immigration somewhat, but it wasn't enough. Therefore, this government is also faltering. The question arises: why, after such a deep ethnic and cultural mix, is immigration suddenly becoming such a major political issue in Europe and the United States? There are two reasons for this: economic and cultural. In both Europe and America, the economic progress of the common man has slowed over the past two to three decades. First, the information technology revolution and now the computer-aided revolution have increased salaries and profits for businesses, entrepreneurs, and managers, but the salaries of the common man are not keeping pace with rising inflation and expenses. Jobs are rapidly decreasing and changing. Government budget deficits are widening due to rapidly increasing expenditures on education, health, pensions, and welfare. People are angry because governments are unable to meet their aspirations. This anger, generated by limited resources, is being channeled by opportunistic leaders into immigrants, who are easy targets. The other side of this story is that in a society with declining birth rates and rising average ages, the growing demand for working people and new skills for new technologies cannot be met without immigration. Without this, economic development, let alone economic growth, cannot even be sustained. Therefore, immigration is essential for these countries, provided it is well-planned and controlled. The second reason is cultural. British Conservative Party leader Kami Badenoch is an immigrant of Nigerian origin. She said, "Cultural and ethnic diversity can make society healthy and progressive, provided the immigrant community strives to integrate with the host community and its culture. They learn and respect the traditions and culture of the host community along with their own identity and culture. Conflict is inevitable for immigrant communities that fail to do so." She was referring to the increasing number of Sharia courts for the Muslim community. Eighty-four Sharia courts have been established in Britain. Despite this, for nearly two decades, gangs of Pakistani origin continued to lure and abuse British teenage girls in more than a dozen cities, including Oxford. An investigation into this heinous case, known as grooming gangs, revealed that Pakistani gangs considered the attire and openness of British teenage girls a sign of their poor character, justifying their exploitation. Such actions, which view the host society through the lens of its own cultural values, create a foundation for suspicion and hatred towards the entire immigrant community. The investigation also revealed that despite the scandal, no action was taken for decades because the areas where it occurred are considered immigrant vote banks. The government is also responsible for providing food and accommodation to immigrants until a decision on immigration is made. Due to a lack of adequate housing, they have to be housed in hotels. Dozens of London hotels are filled with immigrants awaiting a decision. When people, distressed by cuts to their education, health, and public services, see hotels filled with immigrants, it's natural to feel anger. Furthermore, in an East London hotel, a Somali immigrant attempted to molest a fourteen-year-old English girl and a woman. Enraged by this incident, local residents began protesting to drive the immigrants out of the hotel. Similar protests also began outside hotels in other cities where immigrants were being housed. In London, such incidents This laid the groundwork for massive anti-immigrant protests. It's true that in almost every Western country, including Britain and the United States, Indian immigrants are portrayed as educated, peaceful, hardworking, and ambitious. However, not all immigrant communities are the same, and the undesirable actions of even one or two can turn the tide against the entire community. Therefore, the Indian community needs to be vigilant.

मैट्रिमोनियल साइट पर डॉक्टर बन लाखों की ठगी, नाइजीरियाई सहित तीन अंतरराष्ट्रीय ठग गिरफ्तार

मुरादाबाद पुलिस ने महिलाओं से करोड़ों रुपये ठगने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी नाइजीरियाई निवासी समेत दो नेपाली महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इसी गैंग ने स्थानीय शिक्षिका से 94 लाख की ठगी की थी। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज से शादी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी ने पर्दाफाश किया। पुलिस ने गिरोह के मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एम्मानुअल कानू नाइजीरिया का निवासी है और गिरोह का यह सरगना महिलाओं से दोस्ती कर रहने वाला डॉक्टर या व्यवसायी बताकर महंगे कस्टम या कोरियर शुल्क के नाम पर लाखों रुपये ठगी मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में रहने वाली होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि बायोडाटा शेयर किया था। इसके कुछ ही समय करने वाले ने खुद को अमेरिका में नौकरी करने कहा कि वह भारतीय युवती से शादी करना चाहता शिक्षिका के लिए अमेरिका से गिफ्ट भेज रहा है। बताया कि पार्सल में सोने की चेन, अमेरिकी पाने के लिए कुछ भुगतान करना होगा। शिक्षिका ने भुगतान किया, तो आरोपी महिला ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर और अधिक रकम ठगनी शुरू कर दी। इस तरह शिक्षिका से कुल 94 लाख की ठगी की गई। अंतरराष्ट्रीय गिरोह की गिरफ्तारी- साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बुधवार को नाइजीरियाई युवक चिनवेके एम्मानुअल कानू और दो नेपाली युवतियों संगीता और ममता को गिरफ्तार किया है। इसके पहले, मणिपुर निवासी कोंसम सुनीता को आठ सितंबर को गिरफ्तार किया जा चुका था। 18 राज्यों की महिलाओं को बनाया शिकार- जांच में पता चला कि यह गिरोह केवल मुरादाबाद तक सीमित नहीं था। देश के 18 राज्यों की महिलाओं को इसका शिकार बनाया गया। इनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात और राजस्थान जैसी राज्य शामिल हैं। अब तक इस गिरोह के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर नौ शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। बरामद सामग्री- गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और नकद बरामद किए हैं। नकदी 47,770 लाख 93 पासबुक और 17 चेकबुक 16 एटीएम कार्ड और 10 मोबाइल फोन तीन पीओएस मशीन 12 आधार कार्ड, 8 पैन कार्ड और 5 सिम कार्ड पुलिस ने दर्ज किया केस साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे ऑनलाइन डेटिंग, शादी और रिश्तों के प्रस्तावों में पूरी सतर्कता बरतें और किसी भी संदिग्ध लेन-देन या अनजान व्यक्ति के संपर्क में आने से पहले जांच अवश्य करें।

किया गया है। महिलाओं को वेबसाइट करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस सरगना सहित तीन अंतरराष्ट्रीय अनुसार, मुख्य आरोपी चिनवेके अवैध रूप से दिल्ली में रह रहा था। विश्वास जीतता और खुद को विदेश में उपहार भेजने का झांसा देता। इसके बाद वसूल करता।शिक्षिका से 94 लाख की एक शिक्षिका ने साइबर ठगी का शिकार उन्होंने शादी वेबसाइट पर अपना बाद उन्हें व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल वाला एमबीबीएस डॉक्टर बताया और है। दो दिन बाद आरोपी ने कहा कि वह इसके बाद एक महिला ने कॉल कर करेंसी और अन्य सामान है, लेकिन इसे

मानसिक रूप से कमजोर किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या, फेंक दी थी लाश, लावारिस में हुआ अंतिम संस्कार

कांठ में मिली उत्तराखंड निवासी की निकली। जांच में पता चला है कि मानसिक रूप से कमजोर किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या कर उसकी लाश को यहां फेंका गया था। इस मामले में पुलिस ने दो महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया से कमजोर किशोरी की निकली। दुष्कर्म के बाद गया था। इस मामले में उत्तराखंड के उधम सिंह गिरफ्तार किया है। किशोरी 10 सितंबर से लापता रहती है। उसने 29 सितंबर को कुंडा थाना पुलिस में कि वह अपने चार बच्चों के साथ किराये के कमरे कहीं चली गई। वह मानसिक रूप से कमजोर है गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की।उधम सिंह नगर सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और पड़ोसियों से थाना कुंडा निवासी इमरान और थाना शेरकोट जिला में लेकर पूछताछ की। मीनाक्षी ने अपना जुर्म स्वीकार साथ ले गई। पांच दिन तक उसे अपनी रिश्तेदार जिले में ले गए जहां किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। जब किशोरी वापस घर जाने के लिए जिद करने लगी तो पकड़े जाने के डर से उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में मीनाक्षी, शीला के साथ ही इमरान निवासी ग्राम लालपुर थाना कुंडा, इस्लाम निवासी थाना ठाकुरद्वारा, असगर उर्फ नन्हे निवासी थाना डिलारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, जिस जगह किशोरी किराए पर रह रही थी उसके पड़ोस में ही इमरान और मीनाक्षी रहते थे। सभी आरोपी मजदूरी करते हैं। परिजनों को दिखाया कार्रवाई का डर- मानसिक रूप से कमजोर किशोरी 10 सितंबर से घर से गायब थी। आरोपी पड़ोसियों ने उनके परिवार को डराया कि तुम्हारा सत्यापन नहीं हुआ है। यहां किराये के मकान में रह रहे हो। अगर शिकायत करने जाओगे तो जुर्माना भरना पड़ेगा। इस डर से परिवार वाले खुद ही बेटी की तलाश करते रहे। कई दिन बाद भी जब बेटी नहीं मिली, तो उन लोगों ने 29 सितंबर को कुंडा थाना में शिकायत की। बेटी को नहीं दे पाए अंतिम विदाई- नाबालिग बेटी को परिजन आखिरी बार देख तक नहीं पाए। दरअसल, किशोरी की हत्या 19 सितंबर को कर दी गई थी। इसके बाद 22 सितंबर को कांठ में मुरादाबाद पुलिस ने शव बरामद किया था। शव की शिनाख्त के लिए जब कोई नहीं पहुंचा तो पुलिस ने अज्ञात में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। वहीं, जब कुंडा पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद मुरादाबाद पुलिस से संपर्क किया, तब किशोरी की पुष्टि हुई। परिजन आखिरी बार अपनी बेटी को देख तक नहीं पाए। बताया गया कि किशोरी के पिता ने परिवार को छोड़ दिया था जिसके चलते मां अपने बच्चों को लेकर काशीपुर आ गई और यहां मजदूरी करती है।

है।कांठ थाना क्षेत्र में 22 सितंबर को मिली लाश मानसिक रूप हत्या करने के बाद उसकी लाश उत्तराखंड से लाकर यहां फेंका नगर जिले की पुलिस ने दो महिलाओं समेत पांच लोगों को थी। मूल रूप से बिजनौर निवासी महिला ने कुंडा काशीपुर में अपनी नाबालिग बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताया था में रहती है। उसकी पुत्री 10 सितंबर को बिना बताए घर से और उसे दौरे भी पड़ते हैं जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने के एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि इस मामले में पूछताछ की गई। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले ग्राम लालपुर बिजनौर निवासी मीनाक्षी पर शक हुआ। पुलिस ने उन्हें हिरासत करते हुए बताया कि वह किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने काशीपुर निवासी शीला के यहां रखा। इसके बाद उसे मुरादाबाद

मुरादाबाद जमीन घोटाला: चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने नैनीताल में खरीदे फ्लैट, दूसरे कर्मी ने लगवाया पेट्रोल पंप

मुरादाबाद की मायानगर सहकारी आवास समिति के 110 करोड़ रुपये के जमीन घोटाले की जांच में बड़े खुलासे हुए हैं। तीन सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट में सामने आया कि घोटाले की रकम से कई सदस्य करोड़पति बन गए। किसी ने नैनीताल में फ्लैट खरीदे, किसी ने पेट्रोल पंप लिया, तो किसी ने बेटे को विदेश भेजा। मूल आवंटी अब भी जमीन पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मायानगर सहकारी आवास समिति के जमीन घोटाले की जांच में जैसे-जैसे तीन सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट के अनुसार 110 सरकारी विभाग में कार्यरत एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने तो समिति के एक अन्य पदाधिकारी ने पेट्रोलपंप खरीद लिए। हैं।मायानगर आवास विकास समिति लिमिटेड मुरादाबाद और सदस्यों ने कूटरचित दस्तावेजों के सहारे कई जमीनें से लेकर लाकड़ी फाजलपुर तक कई भूखंड शामिल हैं। को अपनी जमीन नहीं मिली तो इसी साल लगभग तीन ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। के जिला प्रबंधक को शामिल किया गया। कमेटी ने समिति पूछताछ की। जांच में करीब 110 करोड़ रुपये के घाटाले रकम से कई सदस्यों ने करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर ली। विदेश में पढ़ने के लिए भेज दिया। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली रोड स्थित लगभग तीन बीघा जमीन पर सचिव ने स्वयं कब्जा कर लिया है। कमेटी ने समिति के अध्यक्ष और सचिव को दोषी मानते हुए रिपोर्ट सौंपी है। कीमती जमीन के बदले ले ली दलदल वाली जमीन- जांच रिपोर्ट के अनुसार, मायानगर सहकारी आवास समिति की सर्किट हाउस के सामने अरबों की जमीन थी। इस जमीन पर भूमाफिया की नजर पड़ी तो समिति के सभापति और सचिव से मिलकर फर्जी कागजात तैयार कराए गए। इन्हीं कूटरचित दस्तावेजों के सहारे जमीन अपने नाम करा ली। इस जमीन पर आवास की जगह कई फैक्टरियां और होटल स्थापित हो गए हैं। कई फैक्टरियां लीज की जमीन पर हैं। इसी कीमती जमीन के बदले समिति ने गागन नदी के किनारे दलदल युक्त 60 बीघा जमीन ली।वर्तमान में सिर्फ दस प्रतिशत लोग ही यहां घर बनाकर रह रहे हैं। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया से पहले समिति ने न तो कोई प्रस्ताव पास किया और न ही निबंधक से अनुमति ली। किसी भी विधिक प्रक्रिया का पालन किए बगैर जमीन हस्तांतरित कर दी गई। मायानगर सहकारी आवास समिति ने अपनी बैलेंस शीट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। मंडल स्तर पर जांच कराई जाएगी कि इस तरह के घोटाले अन्य जिलों में तो नहीं किए गए। इस मामले में विस्तृत जानकारी उच्चाधिकारी ही दे सकते हैं। - सतीश कुमार, जिला प्रबंधक, सहकारी अधिकारी आवास- एसआईटी जांच के आसार- जमीन फर्जीवाड़े मामले की तीन सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट मंडल स्तर से शासन को भेजी गई है। इस मामले में जमीन की खरीद-बिक्री को रोकने, स्पेशल ऑडिट कराने सहित कई बिंदुओं से जांच की संस्तुत की गई है। जमीन फर्जीवाड़े में शासन से इस मामले में एसआईटी गठित होने के आसार हैं। इन लोगों की जमीनों पर किया गया फर्जीवाड़ा- जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि समिति से सचिव और सभापति ने जमीनों का मूल अभिलेख एवं ले आउट गायब होने का बहाना बनाया। समिति ने कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की। शिखा बसु बनाम मायानगर गृह निर्माण समिति के मामले में गलत हलफनामा दिया गया। इस मामले में दस करोड़ की जमीन फर्जीवाड़ा कर ट्रांसफर की गई। सुनील कुमार मल्होत्रा की 175 वर्गमीटर जमीन और एसपी शर्मा की जमीन के मामले में भी फर्जीवाड़ा किया गया। इसी प्रकार उमाशंकर की 175 वर्गमीटर जमीन भी फर्जी वसीयत के आधार पर बेच डाली गई।

परतें खुलती जा रही हैं, चौंकाने वाले नए तथ्य सामने आ रहे हैं। करोड़ के घोटाले की रकम से कई सदस्य करोड़पति बन गए। नैनीताल में कई फ्लैट खरीद लिए। बेटे को विदेश में पढ़ाया। जबकि मूल आवंटी आज भी जमीन पाने के लिए संघर्ष कर रहे का गठन तीन जनवरी 1975 में हुआ था। समिति के पदाधिकारियों बेच डालीं। इस जमीन घोटाले में दिल्ली रोड स्थित सर्किट हाउस बरसों बरस यह घोटाला चलता रहा। जब मूल आवंटी शीशपाल महीने पहले उन्होंने कमिश्नर से इसकी शिकायत की। कमिश्नर इसमें अपर आयुक्त प्रशासन, जिला लेखाधिकारी, सहकारी समिति के अध्यक्ष फूलकुंवर और सचिव अजय दुबे सहित कई लोगों से की बात सामने आई है।जांच में सामने आया है कि घोटाले की किसी ने फ्लैट खरीदे तो किसी ने पेट्रोलपंप लगा लिए। बेटे को

संक्षिप्त समाचार

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क: आई लव मोहम्मद लिखना या पोस्टर लगाना गलत नहीं, दिलों के रावण को भी फूंकना जरूरी

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि आई लव मोहम्मद लिखना या पोस्टर लगाना किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचाता। एक प्रदेश में किए जा रहे मोहम्मद पोस्टर लगाने आस्था को पहुंचनी अल्लाह और

उन्होंने कहा कि दो कानून लागू हैं। आई लव लिखना या से किसी की ठेस नहीं चाहिए। हम मोहम्मद साहब से मोहब्बत करते हैं। इससे दूसरे धर्म के लोगों को दिक्कत क्यों है। यह बात संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कही है। बुधवार को सांसद ने अपने दीपा सराय स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बरेली में बुलडोजर की कार्रवाई करने की तैयारी है, जबकि यह कार्रवाई गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। इसके बाद भी यूपी शासन पालन नहीं कर रहा है।आगे कहा कि यदि बरेली में बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है तो शाहजहांपुर में मकबरे पर हमला करने वाले आरोपियों के घरों पर भी बुलडोजर चलना चाहिए। सांसद ने कहा कि मैं बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ हूं लेकिन एक प्रदेश में दो तरह की कार्रवाई क्यों की जा रही है। सांसद ने कहा कि रावण के पुतले का दहन हर साल किया जाता है। दिलों से भी रावण को फूंकना पड़ेगा। देश में सभी धर्म के लोग रहते हैं। सभी धर्म के लोगों को खुशी से त्योहार मनाना चाहिए। मुसलमान का तो फर्ज है कि उसका पड़ोसी भी परेशान न रहे। पड़ोसी किसी भी धर्म का क्यों न हो। देश की तरक्की के लिए काम होना चाहिए। कुछ लोग ही इस देश को बांटना चाहते हैं। एक सवाल के जवाब पर कहा कि देश के विपक्ष नेता राहुल गांधी को धमकी दी गई है। इस तरह की धमकी देने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। आगे कहा कि आरआरएस की करनी और कथनी में अंतर है। आरआरएस प्रमुख कहते हैं कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर न तलाशा जाए लेकिन उनके संगठन के लोग ही इसको मुद्दा बना रहे हैं।

तालाब की जमीन पर बना अवैध मैरिज हॉल और मदरसे को ढहाया

संभल जिले में बृहस्पतिवार को प्रशासन ने असमोली थाना क्षेत्र के रा या गांव में तालाब की जमीन पर अवैध रूप से बने एक मैरिज हॉल और मदरसे को ढहा दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ज़िला प्रशासन ने आरक्षित जमीन पर अवैध रूप से बनी एक मस्जिद से अतिक्रमण हटाने के लिए भी चार दिन का समय दिया है। अधिकारियों ने बताया कि मस्जिद समिति के सदस्यों ने कथित तौर पर खुद ही तोड़फोड़ की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि उनकी अदालत ने आरक्षित जमीन पर अवैध रूप से बनी मस्जिद को हटाने के साथ-साथ मैरिज हॉल को भी ढहाने का आदेश दिया था। सिंह ने कहा, लगभग 2,300 वर्ग मीटर में बने मैरिज हॉल को ढहा दिया गया है। मस्जिद समिति ने अतिक्रमण हटाने के लिए चार दिन का समय मांगा था, जिसे जिलाधिकारी ने मान लिया। इसके बाद से समिति ने स्वेच्छा से इस ढांचे को गिराना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि कब्जाधारियों को पहले दो नोटिस जारी किए गए थे जिसपर वे कार्यवाही में पेश तो हुए लेकिन लेकिन स्वामित्व के दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि दो सितंबर को ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया, जिसके बाद 30 दिनों की मोहलत दी गई। उन्होंने बताया कि मस्जिद लगभग 550 वर्ग मीटर में फैली है।मस्जिद समिति के सदस्य और राया बुजुर्ग गांव के निवासी यासीन ने पुष्टि की कि प्रशासन के साथ चार दिनों के भीतर ज़मीन खाली करने का समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, हमने मस्जिद को स्वयं ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि संबंधित भूमि तालाब क्षेत्र के अंतर्गत आती है। उन्होंने कहा, स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए 30 दिनों का नोटिस दिए जाने के बावजूद, कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद, प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। इलाके में ड्रोन से निगरानी की गई और आस-पास के गांवों में सार्वजनिक घोषणाएं की गईं। उन्होंने बताया कि मैरिज हॉल और मदरसा दोनों को अवैध माना गया तथा अब अतिक्रमण हटाने वाली टीम ने उन्हें हटा दिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी में धू-धू कर जला रावण, अधर्म पर हुई धर्म की विजय

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी– न्याय की अन्याय पर, सदाचार की दुराचार पर, धर्म की अधर्म पर, गर्व की अहंकार पर, अच्छाई की बुराई पर, सत्य की असत्य पर और अंधकार पर उजाले के विजय का

प्रतीक विजय दशमी का पर्व बृहस्पतिवार को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान जगह-जगह रावण के साथ ही उसके पुत्र मेघनाथ व भाई कुंभकरण का पुतला दहन किया गया। भगवान श्रीराम ने जैसे ही रावण के पुतला में आग लगाई पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारे से गूंज उठा। इसके पूर्व राम-रावण के भयंकर युद्ध का भी दर्शकों ने आनंद उठाया। मुरादाबाद जिले के डिलारी में मेला स्थानों पर रावण को जलाया गया डिलारी में कई दिनों से चल रही रामलीला के समापन के अवसर पर बृहस्पतिवार को डिलरा चौक के सर्वोदय इंटर कालेज के पीछे रामलीला मैदान में रावण का वध किया गया। विशालकाय दशानन के पुतले में जैसे ही आग लगी पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारे से गूंज उठा। अधर्म पर धर्म की इस जीत को देखने के लिए भारी संख्या में भीड़ उमड़ी रही। डिलारी में विशालकाय रावण आकर्षण का केंद्र रहा। डिलारी में स्थित रामलीला मैदान में रावण वध देखने के लिए दोपहर लगभग तीन बजे से ही भीड़ उमड़ने लगी थी। शाम लगभग छ बजे जब भगवान श्रीराम और दशानन के बीच युद्ध शुरू हुआ तो रामलीला मैदान में पांव रखने भर की जगह नहीं बची थी। राम-रावण युद्ध के बीच-बीच में जय श्रीराम के जयकारे लगते रहे। भगवान राम ने जैसे ही रावण के नाभिकुंड में तीर मारा तो रावण का विशालकाय पुतला धू-धू कर जलने लगा। रावण के साथ मेघनाथ व कुंभकरण का भी पुतला दहन किया गया। युद्ध का शुभारंभ भगवान राम की आरती-पूजन के बाद हुआ। आरती में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं सहित डिलारी आदर्श रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सतवान सिंह , उपप्रबंधक राकेश सिंह फौजी, संचालक हीरा सिंह , उप संचालक रोतास सिंह हरि ओम सिंह, वीरेंद्र सिंह, धर्मवीर सिंह, मेघराज सिंह, गजेंद्र सिंह, आदि सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान क्षेत्र अधिकारी ठाकुरद्वारा आशीष कुमार साथ डिलारी पुलिस प्रशासन भरी पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहा। साथ ही मेले का भी आयोजन किया गया जहां पर बच्चो और महिलाओ ने जमकर खरीददारी की और बच्चो ने झूले और चांट पकोड़ी का भरपूर आन्नद उठाया।

परिजनों का गंभीर आरोप, दो दिन तक कमरे में लटका रहा शव; हॉस्टल प्रबंधन की लापरवाही

आईआईटी के बीटेक छात्र धीरज सैनी की आत्महत्या के बाद गुरुवार को परिजनों ने आईआईटी प्रबंधन पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने दो दिन बाद जानकारी दी है।कानपुर में आईआईटी के बीटेक छात्र धीरज सैनी की आत्महत्या के मामले परिजनों ने गुरुवार को आईआईटी प्रबंधन पर जांच की मांग करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। गुरुवार को वीडियोग्राफी के बीच उसका पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद सब लेकर परिजन हरियाणा स्थित महेंद्रगढ़ के लिए रवाना हो गए। पोस्टमार्टम हाउस

पहुंचे धीरज सैनी के ताऊ सत्येंद्र का कहना था कि मेरा बच्चा बहुत आरक्षित प्रकृति का था। अपने काम से ही मतलब रखता था। दो दिन बाद आईआईटी प्रबंधन ने फोन कर उनके बच्चे की आत्महत्या की जानकारी दी, जो कितनी बड़ी लापरवाही है। घटना सुनते ही मानो, तो शरीर ने काम करना बंद कर दिया हो। किसी तरह कानपुर पहुंचे यह दिल ही जानता है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले धीरज के चाचा संदीप ने उससे फोन पर बात की थी। संदीप फल की रेहड़ी लगाकर बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाते थे।धीरज के संघर्ष का किया जिक्र पिता सतीश हलवाई का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि धीरज ने छठवीं से हाईस्कूल तक उसने हरियाणा के हैप्पी स्कूल से पढ़ाई की। वहां उसकी तीन लाख फीस जमा न होने पर स्कूल प्रबंधन ने उसकी हाईस्कूल की सर्टिफिकेट रोक ली थी। किसी तरह चाचा संदीप ने लोगों से उधार लेकर 1.50 लाख रुपये स्कूल में जमा किए थे। तब उसकी सर्टिफिकेट स्कूल प्रबंधन ने दी थी। उन्होंने धीरज के संघर्ष का जिक्र करते हुए बताया कि धीरज शुरू से ही मेधावी था। बदहवास मां को नहीं दी गई है सूचना-सोचा था कि यह परिवार की गरीबी को दूर करेगा। इंटर करने के बाद वह खुद उसे राजस्थान, सीकर लेकर गया था। यहां कोचिंग करने बाद आईआईटी कानपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर में एडमिशन हुआ था। बुधवार को फोन आया, तो पता चला कि दो दिन से शव उसके कमरे में लटका हुआ था। कहा कि उनका बच्चा तो चला गया, लेकिन आईआईटी प्रबंधन को हॉस्टल में रहने वाले बच्चों के रूम में 24 घंटे के भीतर एक बार जाकर देखना चाहिए कि सब कुछ ठीक है कि नहीं। इस घटना ने पूरे परिवार का सपना ही तोड़ दिया। अच्छा एथलीट था, क्रिकेट का भी था शौक ताऊ का कहना था कि आखिरी बार वह मई में घर आया था। वह बहुत ही अच्छा एथलीट था, पढ़ाई के अलावा उसे क्रिकेट का शौक था। वह आईआईटी क्रिकेट टीम का वाइस कैप्टन भी था।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जंगल में युवक और युवती के क्षत-विक्षत शव मिले, पुलिस को पास में मिला ये सामान

यूपी के कानपुर देहात में युवक और युवती के क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस छानबीन में जुट गई।कानपुर देहात में मूसानगर थाना क्षेत्र के किशवा दुरौली के जंगलों में गुरुवार दोपहर युवक और

युवती के क्षत-विक्षत शव मिले। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। मृतक युवक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हो सकी, जबकि युवती की पहचान नहीं हुई। खेतों की ओर गए किसानों ने शव पड़े होने की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को एक पानी भरे खेत में युवक और कुछ दूरी पर युवती का शव मिला। पुलिस ने शवों के पास से जहरीले पदार्थ की चार पुड़िया व दो गिलास बरामद किए। फॉरेंसिक टीम ने नमूने संकलित किए। शव मिलने की जानकारी पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। थानाध्यक्ष कालीचरन ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने जेब में पड़े आधार से मृतक युवक की शिनाख्त जरी खरतला थाना राजपुर के उमाकान्त (22) पुत्र महावीर के रूप में हुई। थाना राजपुर को सूचना दे दी गई है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। बताया कि देखने में प्रतीत होता है कि पहले दोनों ने जहर खाया और पास में गिर गए। जंगली जानवर युवक के शव को थोड़ी दूरी पर घसीटकर ले गए। शव चार से पांच दिन पुराने लग रहे हैं। सीओ संजय सिंह ने बताया कि युवती का शव सड़ने के साथ क्षत विक्षत होने से पहचान नहीं हो सकी है। शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रथम दृष्टता प्रेम प्रसंग का मामला प्रतीत हो रहा है। कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है

लखनऊ एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात जवान ने किया सुसाइड, रात नौ बजे निकला था ड्यूटी करने

जवान विक्रम सिंह लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थित एटीसी उपकरण सुरक्षा में ड्यूटी करता था। जवान धर्मपाल जब सुबह उसे रिलीव करने पहुंचा तो विक्रम

का शव लटकता मिला।राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में बुधवार रात एक होमगार्ड जवान ने ड्यूटी पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इटावा जिले के चौबिया थानान्तर्गत करई गांव निवासी होमगार्ड जवान विक्रम सिंह (45) अपनी पत्नी नेहा सिंह के साथ सरोजनीनगर के नवीन गौरी में किराए के मकान में रहता था। विक्रम लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थित एटीसी उपकरण सुरक्षा में ड्यूटी करता था। वह बुधवार रात 9 बजे ड्यूटी करने गया था।गुरुवार सुबह दूसरा होमगार्ड जवान धर्मपाल रिलीव करने पहुंचा तो सुरक्षा चौकी परिसर का गेट अंदर से बंद मिला। धर्मपाल के काफी देर तक आवाज लगाने पर भी दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। तब उसने गेट से झांक कर देखा तो उसके होश उड़ गए। विक्रम सुरक्षा चौकी में टीन शेड के पाइप से रस्सी के सहारे लटका था। यह दृश्य देख धर्मपाल ने अपने अधिकारियों के साथ ही पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने अन्दर से बन्द गेट का ताला तोड़कर विक्रम को नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति का कहना है कि विक्रम ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

स्वयंसेवक होने पर गव...., गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्र निर्माण में आरएसएस की भूमिका को सराहा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर इसकी सराहना करते हुए कहा कि संगठन के कार्यकर्ता हमेशा सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा के लिए समर्पित रहे हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर कहा कि संगठन के कार्यकर्ता हमेशा सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा के लिए समर्पित रहे हैं। शाह ने स्वयं को गौरवान्वित स्वयंसेवक बताते हुए कहा कि आरएसएस ने अपने 100 वर्षों में शीर्ष नेतृत्व से लेकर जमीनी स्तर तक के कार्यकर्ताओं तक कई व्यक्तित्वों को आकार दिया है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, विश्व के

की हार्दिक शुभकामनाएं। संघ शताब्दी की इस विशाल अर्पण कर देने वाले आरएसएस के सभी साधकों को प्रचारक के रूप में पूरा जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित प्रचारकों ने त्याग और समर्पण से इसे सिद्ध कर दिखाया विजयादशमी के दिन कुछ लोगों के साथ शुरू हुआ संघ पर दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन बन गया सर्वोच्च पदों पर आसीन नेताओं से लेकर जमीनी व्यक्तित्व गढ़े हैं, जिनके जीवन का लक्ष्य ही राष्ट्रनिर्माण आन्दोलन हो, युद्धों में वीर जवानों की सहायता हो, स्वयंसेवकों ने राष्ट्रनिर्माण के कार्यों को त्याग और सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन %राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ% की शताब्दी वर्ष यात्रा में मां भारती की सेवा, सुरक्षा और संवेदना के लिए अपना सर्वस्व नमन करता हूं।सभी सुख-वैभव को त्यागकर एक स्वयंसेवक और कर देना आसान नहीं है। 100 वर्षों में संघ के असंख्य स्वयंसेवकों और है। परम पूज्य हेडगेवार जी के नेतृत्व में वर्ष 1925 में नागपुर में आज व्यक्ति से लेकर राष्ट्र के प्रति समर्पण और संगठन कौशल के दम है। मुझे गर्व है कि मैं भी एक स्वयंसेवक हूं। उन्होंने कहा कि देश के कार्यकर्ताओं तक, संघ शताब्दी की ऐतिहासिक यात्रा ने अनेक ऐसे रहा। हैदराबाद मुक्ति संग्राम हो, आपातकाल का प्रतिकार हो, गोवा मुक्ति धारा 370 का विरोध हो, पूर्वोत्तर में घुसपैठिया विरोधी आंदोलन हो, समर्पण से नई ऊंचाई दी है। मरुभूमि हो या बीहड़ जंगल, हिमालय की दुर्गम चोटियां हों या सुदूर देहात, संघ ने हर जगह 'महामंगले पुण्यभूमे' के प्रति निष्ठा और सेवा का ध्वज लहराया। वनवासियों, पिछड़ों, दलितों, वंचितों और देश के सभी वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोकर, आत्मगौरव से युक्त राष्ट्र की संकल्पना में अहर्निश योगदान देने वाली संघ शताब्दी की यह यात्रा इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी।नड्डा ने आरएसएस के राष्ट्रनिर्माण में उसके %विशिष्ट योगदान% की सराहना कीभारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने युवाओं को जीवन का हर क्षण मातृभूमि की सेवा के लिए समर्पित करने की प्रेरणा देकर राष्ट्रनिर्माण में अनूठा योगदान दिया है। जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा कि सेवा, अनुशासन और राष्ट्रीय विचारों के प्रबल संवाहक, विश्व के सबसे बड़े सामाजिक व सांस्कृतिक संगठन %राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ% के शताब्दी वर्ष की कोटि- स्वयंसेवकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के इस संकल्प को लेकर 100 साल तक मां भारती की सेवा का लक्ष्य लेकर असंख्य स्वयंसेवकों ने मातृभूमि के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया है।नड्डा ने आगे कहा, समाज में राष्ट्रीय विचारों का प्रसार कर समर्थ व अखण्ड भारत निर्माण के दिव्य ध्येय के साथ लोगों को जोड़ता यह संगठन असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र है। विगत 100 वर्षों से मातृभूमि की सेवा और स्वाभिमान के लिए युवाओं को अपने कण-कण व क्षण-क्षण के समर्पण की प्रेरणा देकर राष्ट्रनिर्माण में अद्वितीय योगदान प्रणम्य है।

पटवारियों पर रिश्वतखोरी और किसानों से दुर्व्यवहार का आरोप, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने तहसील कार्यालय घेराव का किया ऐलान

सूरजपुर/बिहारपुर। क्षेत्र के किसानों के हक़ और अधिकार को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने साफ कहा है कि अब तक जिला प्रशासन ने किसानों की पीड़ा को अनसुना किया है, जिसके चलते 03 अक्टूबर को नवा टोला चौक से तहसील कार्यालय बिहारपुर तक रैली एवं घेराव किया जाएगा। किसानों पर अत्याचार का आरोप गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की स्थानीय इकाई ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हल्का नंबर 9 के पटवारी भारत राम पैकरा पिछले करीब सात वर्षों से एक ही क्षेत्र पर पदस्थ हैं किसानों से मनमानी करने का आरोप कई बार लग चुका है इसके बाद भी जिला कलेक्टर एवं भैयाथान एसडीएम द्वारा कार्यवाही नहीं किया गया है वहीं दूसरी पटवारी ऋतुराज- और इस दौरान किसानों के साथ लगातार मनमानी करते आ रहे हैं। किसानों से फाइल और भूमि संबंधी कार्यों में बार-बार पैसे की मांग की जाती है। इतना ही नहीं, किसानों ने आरोप लगाया है कि पटवारी द्वारा रिश्वत न देने पर अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें गाली-गलौज तक की जाती है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि किसानों ने कई बार इसकी शिकायत तहसील स्तर और जिला प्रशासन तक की, लेकिन हर बार मामले को टाल दिया गया। लंबे समय से लगातार शिकायतों के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई न होना किसानों में रोष का कारण बना हुआ है। दूसरे पटवारी और आर.आई. पर भी आरोप पार्टी ने केवल भारत राम पैकरा ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के दूसरे पटवारी ऋतुराज और राजस्व निरीक्षक (आर.आई.) चांदनी बिहारपुर पर भी भेदभाव का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि ये अधिकारी अपने लोकल क्षेत्र, विशेषकर ग्राम खोहीर और आसपास के गांवों से होने के कारण किसानों के साथ पक्षपात करते हैं। भूमिहीन, छोटे और मध्यम वर्गीय किसानों को इनके कामकाज में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार आवेदन देकर मांग की गई कि इन अधिकारियों को हटाकर जांच कराई जाए, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई पहल नहीं की गई। करीब एक महीने पहले भी किसानों ने सामूहिक आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन उस पर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का ऐलान पार्टी नेताओं का कहना है कि प्रशासन यदि निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं करता तो यह आंदोलन और भी उग्र होगा। उन्होंने बताया कि पार्टी की इकाई ने तय किया है कि आगामी 03 अक्टूबर, शुक्रवार को नवा टोला चौक से रैली प्रारंभ होकर तहसील कार्यालय बिहारपुर तक पहुंचेगी और वहां जोरदार प्रदर्शन कर तहसील कार्यालय का घेराव किया जाएगा।किसानों की पीड़ा और आक्रोश क्षेत्र के किसानों का कहना है कि खेती ही उनका मुख्य साधन है। भूमि संबंधी कार्यों और पटवारी स्तर की प्रक्रियाओं पर ही उनकी रोजमर्रा की जिंदगी निर्भर रहती है। यदि यही अधिकारी उनसे रिश्वत लें और गाली-गलौज करें तो गरीब और साधारण किसान कहां जाएंगे? ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार वे फसल बेचने, जमीन का नक्शा निकालने या नामांतरण करवाने जाते हैं तो घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी काम नहीं होता, जब तक कि वे पैसे न दें। किसानों का दर्द है कि हम मेहनत से खेती करते हैं, सरकार हमें सुविधा देने की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर हमसे पैसा वसूला जाता है। जो पैसा हम परिवार के लिए अनाज लाने में खर्च करते, वह मजबूरी में पटवारी को देना पड़ता है। प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में- ग्रामीणों का कहना है कि वे बार-बार कलेक्टर और तहसीलदार तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। कई बार शिकायतों पर केवल कागज़ी कार्रवाई कर दी जाती है, लेकिन नतीजा शून्य रहता है। अब किसानों का धैर्य टूट चुका है और वे आंदोलन करने को मजबूर हो गए हैं। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने स्पष्ट कहा है कि यह केवल किसानों का नहीं बल्कि आदिवासी समाज और गरीब तबके का आंदोलन है, और जब तक दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन का स्वरूप- 03 अक्टूबर को होने वाली यह रैली और घेराव आम किसानों, महिलाओं और ग्रामीणों की भागीदारी से होगा। पार्टी नेताओं का कहना है कि शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन किया जाएगा, लेकिन यदि प्रशासन ने अनदेखी की तो आगे आंदोलन और भी तेज किया जाएगा। किसानों की समस्याओं और अधिकारियों की मनमानी को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने बड़ा मोर्चा खोल दिया है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इन गंभीर आरोपों पर कब तक चुप रहता है या फिर आंदोलन के दबाव में कार्रवाई करता है।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

बीती रात गैर समुदाय द्वारा कराया गया देव स्थान पर निर्माण कार्य, ग्रामीणों ने हाईकोर्ट के जज की की अध्यक्षता में की निष्पक्ष जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / देवस्थान पर कोर्ट के आदेशानुसार कराये जा रहे निर्माण कार्य पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है की अगर अदालत का आदेश है तो रात में देवस्थान पर निर्माण कार्य क्यों कराया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों ने हाईकोर्ट के निष्पक्ष जांच प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप लगाये है। बीती रात विकासखंड अमरिया क्षेत्र के ग्राम कैंचूटांडा में हीरो एजेंसी के पास मझोला रोड़ पर स्थित देवस्थान पर गैर समुदाय के लोगों द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने? प्रशासन? पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा की अगर अदालत ने वादी पक्ष को निर्माण के लिए आदेशित किया है, तो ?गैरसमुदाय द्वारा रात के अंधेरे में गुपचुप तरीके से निर्माण कार्य क्यों कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने इसे तहसील प्रशासन और पुलिस के आपसी मिलीभगत का नतीजा बताया। उनका कहना है की अगर अदालत के आदेश पर सारा निर्माण हो हो रहा है तो इस पर प्रशासन ने रात में देवस्थान पर निर्माण कार्य की अनुमति कैसे दी। अगर सबकुछ ठीक था तो निर्माण कार्य दिन में कराये जाने से किसी? को भी कोई आपत्ति नही होती। वहीं लोगों ने यह आशंका भी जाहिर की है त्योहारी सीजन में पड़ने वाली छुट्टियों के चलते यह कार्य किया गया है।? जिससे अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला? झाड़ सके।वही प्रतिवादी निरंजन? लाल अधिवक्ता के अनुसार कल शाम प्रशासन? द्वारा प्रतिवादियों पर बल प्रयोग कर यह अनुचित कार्य कराया गया है। उन्होंने बताया की जब उपजिलाधिकारी अमरिया से प्रकरण पर बात करने की कोशिश की गयी तो उन्होंने बताया की मै कुछ नही कर सकता मेरा इसमें कोई रोल नही। वही तहसीलदार अमरिया ने बरेली जाने की बात कह कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया। वही मामले में ग्रामीणों ने हाईकोर्ट के जज की अध्यक्षता में निष्पक्ष जांच की जाये।

स्वच्छता सेवा पखवाड़ा बना मजाक कूड़े का ढेर बनी पंचायत, ग्रामीण बोले कई महीनों से नहीं उठा कूड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत भारत सरकार सहित उत्तर प्रदेश सरकार भी स्वच्छ भारत अभियान को लेकर गंभीर है। इसके 10 साल पूरे होने की खुशी में वर्तमान में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया है। हालांकि पीलीभीत जिले में यह पखवाड़ा और स्वच्छ भारत अभियान की जमीनी हकीकत कुछ और ही बया करती नजर आ रही है। जिले के विकासखंड अमरिया में स्वच्छ भारत अभियान की जमीन हकीकत देखकर आप भी डर जाएंगे। वर्तमान में यहां स्वच्छता ही के अंतर्गत नेता और अधिकारी सिर्फ सेल्फी लेने के लिए सफाई करते नजर आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हुआ स्वच्छता सेवा पखवाड़ा सिर्फ फोटोशूट तक नजर आ रहा है। जनप्रतिनिधि सिर्फ फोटो खिचवाने के लिए हाथ में झाड़ू थामे दिखाई दे रहे है। इसके ठीक विपरीत पंचायतों में कूड़े के ढेर नजर आ रहे है। वही आज राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जयंती के अवसर पर स्वच्छता सेवा पखवाड़ा अब अपने समापन ओर बढ़ रहा हैं।

तहसील मुख्यालय से चंद दूरी पर ग्राम पंचायत अमरिया में गंदगी की दयनीय स्थिति से ग्रामीण बेहद परेशान हैं। जहाँ पर सफाईकर्मियों कि तैनाती के बाद बात भी पूरी पंचायत कूड़े के ढेर में तब्दील नजर आ रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कूड़ेदान में भरे हुए कूड़े को कई महीनो से नहीं निकला गया है। उत्पन्न दुर्गंध के कारण यहां रहना भी दुश्वार हो चुका है। लंबे समय से लगातार शिकायतें करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही जिससे स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लगे कुड़ेदान की हालत पिछले कई सालों से खराब है। जगह.-जगह गंदगी और कूड़े के ढेर लगे हुए । जिससे यहाँ पर रहना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार इस समस्या को लेकर पंचायत सरपंच मिनाज उद्दीन उर्फ मिन्नू मियां से संपर्क किया लेकिन उनकी शिकायतों को लगातार अनदेखा किया गया। वही बात करें ब्लॉक में बैठे अधिकारियों की तो ग्रामीणों द्वारा कई बार सफाई के लिए फरियाद लगाई, लेकिन कर्मचारियों द्वारा सफेद कोरे कागज की तरह आश्वासन मात्र दिया गया। आपको बता दे चालू वित्तीय वर्ष में ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा ग्राम पंचायत अमरिया में साफ-सफाई और कूड़ा उठाने के नाम पर एक लाख दस हजार पांच सौ रूपये निकाले जा चुके है। अब ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा हैं कि अगर पंचायत निधि से साफ-सफाई और कूड़ा उठाने के नाम पर पैसे निकाले गये है तो पंचायत में कुड़ो के ढेर कैसे लग रहे है।

स्वास्थ्य विभाग की नाकामी कुछ महीना पूर्व एमडी रेडियोलॉजिस्ट अब बन बैठा जनरल फिजिशियन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / स्वास्थ्य विभाग की कुछ सामान्य कमियों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा, अयोग्य व्यक्तियों का चयन, और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में कमी शामिल हैं, जैसा कि हाल ही में तहसील क्षेत्र अमरिया में की गई कार्यवाही में पाया गया है। इन गलतियों में भ्रष्टाचार, लापरवाही शामिल होती है, जिससे है और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती कस्बे में संचालित साफिया अस्पताल। सेंटर सेल होने के बाद अपनी डिग्री मई 2025 को द टाइम्स ऑफ़ इंडिया तहसील में चल रहे एक डायग्नोस्टिक मोहम्मद उमर द्वारा सफ़िया हॉस्पिटल चलाया जा रहा था, जो हरियाणा के धांधली और अधिकारियों की योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होता हैं। इनमें से ही एक है अमरिया जहाँ एक एक डॉक्टर अल्ट्रासाउंड ही बदल लेता है। आपको बता दें 27 में प्रकाशित खबर के अनुसार, अमरिया सेंटर को बंद कर दिया था। यह डॉ. एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के नाम से रोहतक स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़ द्वारा कथित तौर पर जारी की गई एमडी (रेडियोलॉजी) की फ़ज़ी डिग्री का इस्तेमाल करते पाए गए। सत्यापन के दौरान उत्तर प्रदेश मेडिकल काउंसिल में उनका पंजीकरण भी फ़ज़ी पाया गया। जिसमें बताया गया है की यह स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय निगरानी में गंभीर चूक का संकेत है। हालाँकि राज्य के मानदंडों के अनुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में पंजीकरण के समय सभी चिकित्सा प्रमाणपत्रों का गहन सत्यापन आवश्यक है, लेकिन प्रणालीगत अक्षमताओं और चिकित्सा विश्वविद्यालयों से सहयोग की कमी के कारण व्यवहार में इन प्रोटोकॉल का पालन शायद ही कभी किया जाता है। जिसमें सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने कहा था की , डॉ. मोहम्मद उमर के मामले में, रोहतक स्थित पीजीआई से समय पर मिले सहयोग के कारण हम तुरंत कार्रवाई कर पाए। परन्तु अब सफिया अस्पताल अमरिया द्वारा लगाए गए नए बोर्ड में डॉ. मोहम्मद उमर की नई डिग्री प्रदर्शित की गई है। अब वही डॉ. मोहम्मद उमर साफिया अस्पताल में जनरल फिजिशियन के तौर पर अपनी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वही जनरल फिजिशियन के तौर पर उन्होंने अपनी एमबीबीएस की डिग्री राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी की प्रदर्शित कर रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जिस डॉक्टर को स्वास्थ्य विभाग ने विगत कुछ महीनों पूर्व एमडी रेडियोलॉजिस्ट की फर्जी डिग्री के चलते उनके सफिया अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील किया था। वह कुछ ही महीनों के बाद जनरल फिजिशियन की डिग्री के साथ अब उसी अस्पताल में प्रैक्टिस कैसे कर रहे हैं?

संक्षिप्त समाचार

महात्मा गाँधी की जयंती के अवसर पर ग्राम नगरिया खुर्द कला में किया गया सफाई अभियान का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जयंती के अवसर पर आज 2 अक्टूबर सफाई अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। ग्राम पंचायत नगरिया खुर्द कलां में गांधी जयंती के उपलक्ष्य पर ग्रामवासियों को स्वच्छता की प्रति जागरूक किया गया । और साफ सफाई अभियान चलाकर गांव? की साफ सफाई की गयी। सभी लोगों को साफ सफाई करने के लिए आग्रह किया जिससे कि गांव का क्षेत्र साफ सुथरा रहे जिससे लोग कम बीमार पड़े।कार्यक्रम में ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार, ग्राम विकास अधिकारी राजेश गौतम सशस्त्र सीमा बल के कमांडर गांव के ग्रामवासियों के साथ सशस्त्र सीमा बल के जवान उपस्थित रहे।

डीजे पर डांस कर रहे नौ साल के बालक को लगा करंट, अर्थ के खुले तार ने ले ली जान, मां बेहाल

गांव कांकरकुई में नौ साल का सूर्या पड़ोस में आयोजित शादी समारोह में डांस कर रहा था। तभी तार की चपेट में आ गया। निजी अस्पताल में उसे मृत घोषित किया गया। उसकी मां और पिता का रोकर बुरा हाल था। रामपुर मनिहारान के गांव के शादी कांकरकुई में पड़ोस लगने पर समारोह में करंट बिंदर की सूर्या (9) पुत्र मौत हो गई। हादसे के बाद शादी समारोह की खुशियां भी शोक में बदल गईं। पुलिस ने परिजनों के अनुरोध पर बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव उन्हें सौंप दिया। बुधवार देर शाम गांव कांकरकुई में बिंदर के पड़ोस में शादी समारोह था। इसमें बज रहे डीजे पर उसका बेटा सूर्या भी नाच रहा था। इसी दौरान उसने पास के खंभे से लटके अर्थ के तार को पकड़ लिया। इससे सूर्या को करंट लग गया। परिजन बच्चे को निजी अस्पताल में लेकर गए। वहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।सूचना पर चौकी चुनहेटी पुलिस मौके पर पहुंची। ग्राम प्रधान चौधरी राजकुमार ने बताया कि गांव में विद्युत निगम ने खंभों के साथ अर्थ के तार छोड़ रखे हैं। यही हादसे की वजह बना है। इस बारे में विद्युत निगम के अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। सूर्या तीन भाई बहनों में सबसे बड़ा था। उसके पिता मजदूरी का कार्य करते हैं। हादसे के बाद विधायक देवेंद्र निम पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने मृतक के परिजनों को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। विधायक ने विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता को फोन पर गांव में खंभों के पास छोड़े गए अर्थ के तारों की व्यवस्था को ठीक कराने के लिए कहा।

सीएम योगी बोले- बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकार, दोनों विभूतियों को किया याद

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की ताकत क्या होती है, इसका एहसास भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पूरी दुनिया को कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान रहा।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी गुरुवार को दोनों विभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गोरखनाथ मंदिर के के बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और राष्ट्रहित में कहा कि डबल इंजन सरकार बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही है। अहिंसा की ताकत क्या होती है, इसका एहसास भारत के स्वाधीनता आंदोलन में गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान रहा। विदेशी हुकूमत स्वदेशी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का आलंबन बनी। बापू के सपनों व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवासीय भवन के प्रथम तल पर देश के दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्पार्चन करने उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने लिए मॉडल बन रही है। स्वदेशी से ही जुड़ी उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी सीमित नहीं, भारत की दिनचर्या का हिस्सा- मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी रही है। पीएम मोदी के उद्घोष के अनुरूप स्वदेशी भारत में चिप से लेकर शिप ग्रेटर नोएडा में राज्य सरकार ने यूपी के उत्पादों को प्लेटफार्म देने और उन्हें था।उन्होंने स्वदेशी ब्रांड में उत्तर प्रदेश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि का निर्माण हो रहा है। हरदोई में बब्ले स्कॉट पिस्टल का उत्पादन प्रारम्भ हो गया में स्वदेशी मेला- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वदेशी को और इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर स्वदेशी मेला आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आज से प्रदेश में खादी वस्तुओं के क्रय पर 25 प्रतिशत छूट का भी शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए खादी व अन्य स्वदेशी वस्तुओं का उपहार दीपावली में दें। इससे कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन मिलेगा सम्मान मिलेगा और यह रोजगार-स्वरोजगार में बढ़ोतरी के साथ देश की आर्थिक समृद्धि का भी कारण बनेगा। आज भारत का ब्रांड है स्वच्छता- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महात्मा गांधी को स्वच्छता सर्वाधिक पसंद था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के जरिए स्वच्छता को एक नई ऊंचाई दी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। इससे नारी गरिमा को सम्मान मिला है, साथ ही बीमारियों से बचाव और लोगों को लोगों की आर्थिक बचत भी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वच्छता हमारी पहचान और भारत का ब्रांड है। पूरी दुनिया को भारत की शक्ति का एहसास कराया था प्रधानमंत्री शास्त्री ने मुख्यमंत्री ने देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वो स्वाधीनता आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के सेनानी थे। वह बापू के प्रखर अनुयायी तथा स्वदेशी से स्वावलंबन के पक्षधर थे। कृषि क्षेत्र की आत्मनिर्भरता का एक मॉडल शास्त्री जी ने दिया था। उन्होंने जय जवान जय किसान का नारा देकर खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के संकल्प को मजबूत किया। वहीं यह संदेश भी दिया कि भारत शांति का पक्षधर है, पर यदि कोई उसे पर युद्ध थोपेगा तो उसका मुंहतोड़ जवाब भी दिया जाएगा। वर्ष 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में शास्त्री जी के नेतृत्व में मिली विजय से देश ने अपनी शक्ति का एहसास पूरी दुनिया के सामने कराया था।विजयदशमी की भी बधाई दी सीएम योगी ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को विजयदशमी पर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व व त्योहार एकता, शांति और सौहार्द के प्रतीक होते हैं। हमें उनके इस सात्विक भाव को जीवन में उतरना चाहिए। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के श्रीचरणों में नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सबको नई प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, नगर निगम कार्यकारिणी के उप सभापति पवन त्रिपाठी आदि भी मौजूद रहे।

हत्या के मुकदमे में वादी को समझौते के लिए दबाव, झूठे मुकदमे में फँसाने की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ जालौन। हत्या के मुकदमे में वादी/गवाह को दबाव डालकर समझौता कराने और झूठे मुकदमे में फँसाने की गंभीर शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई है। प्रार्थी चन्द्र प्रकाश पुत्र स्व. छट्?टन, निवासी मोहल्ला गोखले नगर, कस्बा कोच, जनपद जालौन ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा है कि उनके पिता की हत्या का मुकदमा अपराध संख्या 221/2014, धारा 302, 147, 504, 506 भा.दं.सं. थाना कोच में दर्ज है। इस मामले में पुलिस विवेचना उपरान्त आरोपियों घनश्याम व गुड्डू को धारा 147, 304, 323, 506, 186 भा.दं.सं. में तलब कर चुकी है। प्रार्थी का आरोप है कि प्रतिशोध स्वरूप अभियुक्त घनश्याम कुशवाहा ने दिनांक 01 अक्टूबर 2025 को मात्र ?2100 की लूट का फर्जी शिकायती पत्र थाना कोच में दिया है, ताकि उन्हें झूठे मुकदमे में फँसाकर अदालत में उनकी गवाही कमजोर की जा सके और उन पर समझौते का दबाव बनाया जा सके। चन्द्र प्रकाश ने यह भी आरोप लगाया है कि अभियुक्त लगातार उन्हें और उनके परिवार को धमका रहा है कि यदि समझौता नहीं किया तो विभिन्न झूठे मुकदमों में फँसा दिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि 01 अक्टूबर 2025 को दी गई फर्जी लूट तहरीर की निष्पक्ष जाँच कराकर, अभियुक्त के विरुद्ध झूठा प्रार्थना पत्र देने एवं धमकी देने के मामले में कड़ी विधिक कार्यवाही की जाए, ताकि उन्हें न्याय और सुरक्षा मिल सके।

नवलंबिध दिवस के सफलता पूर्ण होने पर शांतिनाथ भगवान के विधान को संपन्न कराया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता / शामली आज परम पूज्य 108 श्री विव्रत सागर जी मुनिराज ने जैन धर्मशाला में नवलब्धि दिवस के सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर शांतिनाथ भगवान के विधान को संपन्न कराया, आज के विधानाचार्य श्री प्रदीप जैन बुलंदशहर वाले रहे विधान में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंत्रों का उच्चारण करके पुण्य लाभ अर्जित किया, मुनिराज ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जैन समाज शामली के युवा वर्ग ने अभिषेक पूजा पद्धति सीखने में रुचि दिखाई है,मुनिराज ने नवलब्धि दिवस पूर्ण होने पर लब्धि दिवस के लाभ के विषय में बताते हुए कहा कि ज्ञानलब्धि से ज्ञान की वृद्धि दर्शनलब्धि से नेत्र रोग निवारण, सम्यकत्व लब्धि से विशुद्ध दर्शन की प्राप्ति, चरित्रलब्धि से सम्यकत्व चारित्र,दानलब्धि से दान विघ्न निवारण, लाभलब्धि से अन्तराय कर्म से छुटकारा, भोग लब्धि से व्यापार वृद्धि उपभोग लब्धि से गृह समृद्धि एवं वीर्य लब्धि से आरोग्य वृद्धि की प्राप्ति होती है। गुरुदेव के लब्धिदिवस का समापन करते हुए सभी श्रद्धालुओं से जाप्य अनुष्ठान में हुई जाने अनजाने गलतियों के लिए प्रभु के समक्ष क्षमा याचना करवाई, अंत में प्रभु के जिन बिंब को महावीर जिनालय में स्थापित करवा दिया गया। आज की शांति धारा का पुण्य अवसर संजीव जैन सचिन जैन को प्राप्त हुआ, इस अवसर पर भूषण लाल जैन मोहित जैन संजीव जैन राजेश जैन अनिल जैन भूपेंद्र कुमार सम्यक जैन आशीष जैन रितिक जैन शुभम जैन रजत जैन डॉ अनीता जैन सुनीता जैन मनीषा जैन सरला जैन रेखा जैन सुमित्रा जैन अनीता जीजी अंजू जैन उषा जैन प्रीति जैन सीमा जैन रितु जैन रिंकी जैन रिंपी जैन लतिका जैन रेहा जैन

आगरा में मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा...उटंगन में 11 लोगों के डूबने की सूचना, तलाश जारी; दो शव मिले

आगरा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। खेरागढ़ क्षेत्र में उटंगन नदी में 11 लोगों के डूबने की सूचना है। अब तक दो लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। डूबे हुए लोगों की तलाश में गोताखोर जुटे हुए हैं।आगरा के खेरागढ़ क्षेत्र में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। उटंगन नदी में 11 लोगों के डूबने की सूचना है। इनमें से दो लोगों के शव मिल चुके हैं। वहीं एक अन्य युवक का इलाज जारी है। अन्य की तलाश में गोताखोर जुटे हुए हैं। वहीं थाना न्यू आगरा के नगला तल्फी में भी दो लोग यमुना में डूब गए। गोताखोर उनकी तलाश में जुटे हैं। गांव कुसियापुर के ग्रामीण दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए बृहस्पतिवार को उटंगन नदी पहुंचे थे। यहां प्रतिमा विसर्जन के दौरान 11 लोग नदी के गहरे पानी में डूब गए। इससे चीखपुकार मच गई।मौके पर मौजूद लोगों ने नदी में डूबते तीन लड़कों को बाहर निकाल लिया। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। डूबे लोगों की तलाश में गोताखोर जुटे हुए हैं।

जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी ने बताया कि दोपहर में सात से आठ लोगों के डूबने की सूचना मिली थी। तत्काल टीम मौके पर पहुंची। डूबे हुए लोगों की तलाश में गोताखोर जुटे हुए हैं।उटंगन नदी में डूबने से ओमपाल पुत्र रमेश चंद (25) और गगन पुत्र माधव सिंह (24) की मौत हो चुकी है। वहीं, सचिन पुत्र विष्णु (20) को नदी में से गोताखोरों ने जीवित बाहर निकाला, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। ये अब भी लापता- हरेश पुत्र माधव सिंह (20), अभिषेक पुत्र कुमार पाल (16), भगवती पुत्र मुरारी लाल (22), ओके पुत्र किशन सिंह (16), सचिन पुत्र रामवीर (16), सचिन पुत्र अतरा (17), गजेंद्र पुत्र रेवती (20), दीपक पुत्र सुक्कन (15) के बारे में अब तक कुछ पता नहीं लग सका है। गोताखोर तलाश में जुटे हैं।

राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी एवं भारत के प्रथम प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर दोनों महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता / कैराना शामलीजिला कांग्रेस कमेटी शामली एवं कैराना नगर कांग्रेस द्वारा ज़िला उपाध्यक्ष शमशीर खान के चौक बाजार स्थित गांधी जी एवं भारत लाल बहादुर शास्त्री अवसर पर दोनों प्रतिमा पर मालार्पण का आयोजन किया ने कहा सत्य, समरसता के अमर को दिशा दिखाने महात्मा गांधी जी की सभी कांग्रेस जन उन्हें करते हे उनके विचार हमें न्यायपूर्ण समाज, सशक्त लोकतंत्र की की प्रेरणा देते रहेंगे। बहादुर शास्त्री जी के

एवं संगठन प्रभारी नेतृत्व में कैराना राष्ट्रपिता महात्मा के प्रथम प्रधानमंत्री जी की जयंती के महापुरुषों की कर विचार गोष्ठी गया शमशीर खान अहिंसा, शांति और संदेश से पूरे विश्व वाले राष्ट्रपिता जयंती पर हम कोटि-कोटि नमन और आदर्श हमेशा समानता और ओर आगे बढ़ने उन्होंने लाल बारे में बताते हुए कहा1965 में इलाहाबाद में एक गाँव की सभा में लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि आज़ादी के 10-12 सालों में देश ने वो प्रगति कर दी है जो 200 सालों में अंग्रेजी राज में नही हुईं। हमारे यहां हवाई जहाज और मोटर गाड़ियां बन रही है। नए बांध नयी नहरें बन रही हैं, अस्पताल, स्कूल और सड़कें बन रही हैं आज हमारे आदर्श, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर हम उनके देश के प्रति अभूतपूर्व योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं नगर अध्यक्ष नदीम एडवोकेट ने कहा उन्होंने भूमि सुधारों से लेकर दुग्ध और हरित क्रांति की नींव रखने तक, रेलवे में तृतीय श्रेणी को समाप्त करने से लेकर बसों में महिलाओं के लिए सीटें सुरक्षित कराने तक, 1965 के युद्ध से लेकर अपने गाँधीवादी आदर्शों के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने तक-हर क्षेत्र में अपनी अद्वितीय कर्त्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। नगर अध्यक्ष श्रम प्रकोष्ठ सुहैब खान ने कहा दोनों महापुरुष आज भी हमारे विचारों में जिंदा हे और जब तक ये सूरज चांद रहेगा देश के प्रति उनका योगदान हमेशा याद रहेगा इस अवसर पर श्रम प्रकोष्ठ नगर उपाध्यक्ष हयात खान अफजल अंसारी शमशेर अहमद शहादत खान हिफाजत खान कासिम खान नदीम अहमद अरशद खान सहित काफी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे

गांधी जयंती पर स्वच्छता ही सेवा 2025 का समापन : 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा के जवानों ने किया श्रमदान

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती महात्मा गांधी की जयंती एवं स्वच्छता ही सेवा

2025 कार्यक्रम के समापन अवसर पर आज 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशा-निर्देशन में जवानों द्वारा खरगौरा बाजार में स्वच्छता श्रमदान किया गया। इस अवसर पर जवानों ने बाजार क्षेत्र में फैली गंदगी को साफ कर आम नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया। जवानों ने लोगों से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर स्वच्छ वातावरण बनाए रखें और गांधी जी के सपनों के स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें। वाहिनी एसएसबी के इस पहल से स्थानीय नागरिकों ने भी प्रेरणा ली और कार्यक्रम की सराहना की।

चांदनी बिहरपुर क्षेत्र में माँ दुर्गा का विसर्जन उत्साह और श्रद्धा के साथ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर / ग्राम पंचायत महुली, कोल्हूआ, चोगा और गढ़वतिया धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब मां गढ़वतिया देवी धाम में रखे गए मनोकामना ज्योति कलश का भी हुआ विसर्जन चांदनी एवं मोहरसोप पुलिस रही तैनात, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद सूरजपुर/ नवरात्रि महोत्सव के समापन पर बिहरपुर क्षेत्र में माँ दुर्गा की बड़ी धूमधाम और धार्मिक गया। क्षेत्र के महुली, कोल्हूआ पंचायतों में हजारों की संख्या में में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और के बीच माँ की प्रतिमाओं को तालाबों और नदी घाटों में महिलाओं ने थालियों में आरती और बच्चों ने माता के जयकारों

चांदनी बिहरपुर। आज पूरे चांदनी प्रतिमाओं का विसर्जन आस्था के साथ किया और चोगा ग्राम श्रद्धालु विसर्जन यात्रा भक्ति गीतों की गूंज विधि-विधान के साथ विसर्जित किया गया। उतारी, वहीं युवाओं से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। गढ़वतिया देवी धाम का नजारा सबसे अलग रहा। यहाँ श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के साथ माँ की प्रतिमा के साथ-साथ मनोकामना ज्योति कलश का भी विसर्जन किया। मान्यता है कि माँ गढ़वतिया देवी के दरबार में जलाया गया ज्योति कलश श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं की पूर्ति करता है। विसर्जन के समय हजारों श्रद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। प्रशासन मुस्तैद - पुलिस चौकसी कड़ी विसर्जन यात्रा के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतज़ाम किए। चांदनी एवं मोहरसोप पुलिस के जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई। महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए महिला रक्षा टीम भी सक्रिय रही। भाईचारे का संदेश ग्रामीणों ने जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, जलपान और शीतल पेयजल की व्यवस्था की। महुली, कोल्हूआ और चोगा पंचायतों की विसर्जन यात्राओं में आपसी भाईचारा और सामूहिक आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने विदाई के समय माँ से क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। युवा गाते और नाचते हुए नारे लगा रहे थे - माँ अगले बरस तू जल्दी आना। इस तरह चांदनी बिहरपुर क्षेत्र और गढ़वतिया देवी धाम में नवरात्रि का पर्व आस्था, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के साथ-साथ गढ़वतिया धाम में रखे गए मनोकामना ज्योति कलश के विसर्जन ने इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया। पुलिस-प्रशासन की सतर्कता और ग्रामीणों की भागीदारी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

इंसानियत की गूंज : पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए विशाल राहत काफ़िला रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता / कांधला शामली पंजाब में भीषण बाढ़ ने हज़ारों परिवारों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियों के उफान और लगातार बारिश ने घरों, खेतों और पशुधन को तबाह कर दिया। बाढ़ पीड़ित अपने सिर पर छत और पेट में निवाला तक के लिए तरस रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों की आंखों में डर और भूख की छाया, बुज़ुर्गों के चेहरों पर बेबसी, और हर तरफ पानी ही पानी यह मंजर इंसान को अंदर तक हिला देता है। इसी दर्दनाक हालात को देखते हुए कांधला क्षेत्र के गांवों के लोगों ने इंसानियत और भाईचारे की मिसाल पेश की है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री जुटाई और टीम टिकैत के नेतृत्व में एक बड़ा राहत काफ़िला रवाना किया। इस काफ़िले में मंडल उपाध्यक्ष ब्रह्मपाल नाला, युवा तहसील अध्यक्ष शामली रानू पवार, ब्लॉक उपाध्यक्ष गजेंद्र पवार, तहसील उपाध्यक्ष बबलु पवार, सुशील पवार, आर्य पवार, विनोद पवार समेत क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता और दर्जनों ग्रामीण शामिल रहे। ,राहत सामग्री का बड़ा कलेक्शन ग्रामीणों ने अपनी जेब से पैसे जोड़कर और घरों से सामान निकालकर राहत सामग्री तैयार की। काफ़िले में आटा, चावल, दाल, तेल, दूध पाउडर, कपड़े, बच्चों के लिए बिस्किट, दवाइयां और रोज़मर्रा के उपयोग की वस्तुओं की बड़ी खेप शामिल की गई।गांव के लोग इसे मदद नहीं बल्कि फर्ज़ मानते हैं।ग्रामीणों की भावनाएं काफ़िले को रवाना करते समय गांव के बुज़ुर्गों ने राहत टीम को आशीर्वाद दिया। ग्रामीणों ने कहा पंजाब के भाई-बहन आज संकट में हैं। कल अगर हम पर भी ऐसी आपदा आई तो यही भाईचारा और इंसानियत हमें संभालेगी। जब तक वहां के हालात सामान्य नहीं हो जाते, कांधला क्षेत्र से सहयोग जारी रहेगा इंसानियत की जीत क्षेत्र के गांवों की यह पहल बताती है कि मुश्किल वक्त में इंसानियत और एकता किसी भी आपदा से बड़ी होती है। ग्रामीणों की इस कोशिश से जहां पंजाब के पीड़ितों को राहत मिलेगी, वहीं पूरे देश को यह संदेश जाएगा कि एकजुटता और आपसी भाईचारा ही हमारी असली ताक़त है।

छत के कुंडे में लटका मिला महिला का शव, हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मल्हीपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर कोठी के मजरा नौसहरा निवासिनी राजेश्वरी यादव (25) पत्नी पप्पू यादव की लाश कमरे में छत में लगे पंखे के कुंडे से फंदे पर लटकती मिली। घटना को लेकर महिला के पिता ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। नेपाल के बांके जिले के पुलिस चौकी भगवान के जानकी गांव निवासी सियाराम ने अपनी पुत्री राजेश्वरी की शादी नौसहरा निवासी पप्पू यादव के साथ छह माह पहले की थी। लेकिन उसका शव कमरे में लटकता मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया।

डिलारी पुलिस ने पकड़े तीन चरस तस्कर,जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद / डिलारी थाना डिलारी पुलिस ने बुधवार को तीन चरस तस्करो को गिरफ्तार का जेल भेज दिया, नगर पंचायत ढकिया निवासी नाजिम, समीम और मुस्तफा ढकिया के मेन चौराहे पर चरस बेच रहे थे, तभी थाना डिलारी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चौराहे

की घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया, उनके पास से 2 किलो 25 ग्राम चरस एक नाजायज चाकू बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, थाना अध्यक्ष कृष्ण कुमार भंगेला ने बताया कि तीनों अपराधिक प्रवृत्ति के शातिर बदमाश है। नाजिम और मुस्तफा के खिलाफ बिभिन्न थानो मे सात, सात,गौकशी, गैंगस्टर के मुकदमे पंजीकृत हैं, आरोपित शमीम के खिलाफ चार मुकदमे संगीन धाराओं में पंजीकृत है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

The '4-7-8 Breathing' technique can relieve stress and anxiety, and you'll feel relief in just a few minutes.

What is the '4-7-8 Breathing' technique? It's a special method of inhaling and exhaling. It involves inhaling for 4 seconds, then holding it for 7 seconds, and slowly exhaling for 8 seconds.

The most important part of this technique is the 8-second long exhalation. This process activates the parasympathetic nervous system, which initiates the body's 'rest and digest' mode and immediately reduces the 'fight or flight' response, slowing the heart rate and calming the mind. Stress and anxiety have become common problems in today's fast-paced lives, and people resort to various measures to relieve them. Sometimes, restlessness and anxiety become so intense that they become unsure of how to control them immediately. In such situations, a simple breathing technique can act as a 'healer' for you. This technique is called "4-7-8 breathing," popularized by renowned American doctor Andrew Weil. It's a scientific technique based on yoga's pranayama, which helps calm the nervous system and bring relaxation within minutes. Mental stress is common in today's hectic modern life, but relieving this stress is a complex task. To relieve stress and anxiety, you can adopt the 4-7-8 breathing technique, which you should also learn about. How to practice this technique? To practice this technique, first sit or lie down comfortably in a quiet place and place the tip of your tongue just behind your upper teeth. Initially, exhale all the air through your mouth while making a "whoosh" sound. Then, close your mouth and inhale slowly through your nose, counting to 4. Now hold your breath for 7 seconds and finally, count to 8 seconds and exhale completely through your mouth with a "whoosh" sound. This completes one cycle. Repeat this process four times. How does this technique work? When we're stressed, our breaths become short and rapid. The "4-7-8" technique helps break this pattern. Holding your breath for 7 seconds gives the body's cells more time to absorb oxygen. Exhaling slowly for 8 seconds releases more carbon dioxide from the blood, which slows your heart rate and helps calm your mind. This technique distracts your mind from worries and focuses on counting your breaths, providing instant relief. In addition to instantly reducing stress and anxiety, this technique is also very effective for insomnia. Practicing it before bed can help you fall asleep faster. This technique is so simple that you can practice it anywhere, anytime, to calm your mind and gain better control over your emotions. Experts say regular practice provides long-term benefits. If you suffer from chronic mental stress, you should seek the help of a counselor.

A disease with 'COVID-like symptoms' is increasing in Delhi-NCR, and infected individuals are experiencing these problems.

A wave of H3N2 flu is being witnessed in several states of North India, including Delhi-NCR. It is much more serious than just a cold, cough, and fever. A community-based survey found that approximately 50-70% of households in the Delhi-NCR region are infected. The months following the monsoon season are considered to be a time of increased risk for various diseases every year. The weather changes rapidly during September and October, increasing the risk of flu infection. Furthermore, this is also a time of outbreaks of mosquito-borne diseases. The capital, Delhi-NCR, is witnessing a widespread outbreak of diseases. While dengue and malaria cases are already a cause of concern for experts, over the past month, an outbreak of 'COVID-like symptoms' has also been observed. Doctors believe the H3N2 virus is responsible for this. A recent survey indicates that 70% of households in Delhi-NCR are reporting cases of flu-like illness caused by this virus. Those infected are experiencing high fever, headache, and body aches, along with colds, sore throat, and pain. Flu threat in North India, including Delhi-NCR - Media reports indicate that several states in North India, including Delhi-NCR, are experiencing a wave of H3N2 flu, a disease that is far more serious than just a cold, cough, and fever. A community-based survey found that approximately 70% of households in the Delhi-NCR region are infected. Most people are experiencing high fever, persistent cough, and fatigue that lasts longer than usual. Worryingly, many people who typically ignore the flu are now experiencing more severe symptoms. H3N2 flu symptoms are lasting from a week to 15 days. What do doctors say? Speaking to Amar Ujala, Dr. Amit Bhargava, Head and Medical Director of Critical Care Medicine at a Delhi-based hospital, says that flu cases spike twice each year—one during the monsoon season and the other in winter. Symptoms include increased severity of body aches, cough, and fever. H3N2 is a form of flu that causes respiratory illness, often accompanied by cough and fever, and body aches. It can spread through close contact with infected individuals and through touching contaminated surfaces. Doctors say children, the elderly, pregnant women, and those with pre-existing chronic illnesses like asthma, diabetes, and heart problems are most affected. The infection can also lead to serious complications like bronchitis and pneumonia, and worsen existing heart or lung conditions. Hospitals report that many people experience prolonged symptoms or become so ill that they require hospitalization. What should be done to prevent infection? Doctors say the same precautions should be taken to prevent this infection as those for flu and COVID-19. You should wash your hands frequently. For this, use soap and water or use hand sanitizer. Wear a mask when going out, especially when there is a crowd or there is a fear of coming in contact with an infected person. Avoid crowded places as much as possible and take precautions before going to public places. Take care of your diet. Eat fresh fruits and vegetables, drink enough water and get enough sleep. This keeps the body strong and increases immunity. If you have fever for more than 3 days, difficulty in breathing, severe pain or swelling in the throat, along with dizziness or vomiting, then consult a doctor.

Is it just a difference in flavor, or is it also healthy? Find out how infused water differs from plain water.

People often extol the virtues of infused water on social media, claiming its numerous benefits. In this article, let's explore how beneficial infused water is for your health and how different it is from plain water. Infused water, also known as detox water or flavored water, is a healthy beverage prepared with fresh fruits and vegetables in plain water. To make it, pieces of fruits like cucumber, lemon, orange, strawberry, and herbs like mint or basil are steeped in water for a few hours. This process imparts a subtle flavor and some nutrients to the water. Nowadays, the trend of "infused water" is rapidly gaining popularity in the world of fitness and wellness. Attractive water bottles filled with cucumber, lemon, and mint leaves are seen everywhere on social media. It's promoted as a miracle drink for health. It's natural to question whether it's just a fancy way to make plain water taste better, or does it actually have additional health benefits? Drinking plain water is essential for health, but many people don't drink enough because of its bland taste. In this article, let's explore how effective infused water is at solving this problem and how it differs from plain water. Taste and Improved Hydration - The biggest advantage of infused water is that it's not tasteless. Adding fruits, vegetables, and herbs to water can transform its flavor. This flavor is a great option for those who can't drink plain water. The improved taste encourages people to drink more water, helping them stay better hydrated throughout the day. Nutrients - It's claimed that infused water is rich in nutrients. This is true to some extent. When you steep fruits and vegetables in water, some of their water-soluble vitamins (like vitamin C from lemons) and antioxidants are released into the water. However, these amounts are much lower than eating the whole fruit. Therefore, it's a myth to consider infused water a treasure trove of vitamins. While it's slightly better than plain water, it's not a substitute for a balanced diet. Does it help with weight loss? - Infused water is often touted as a weight loss solution on social media. The reason behind this is that drinking more water increases the body's metabolic rate and helps the kidneys flush out toxins from the body. Furthermore, drinking infused water before meals helps you feel full, leading you to consume fewer calories. A Healthier Alternative - Infused water is definitely a better option than plain water, especially as it encourages you to drink more water. It's a great way to keep you away from sugary drinks and soda. It keeps you hydrated, provides a small amount of nutrients, and may even aid in weight management. Don't look at it as a miracle, but incorporate it into your daily water intake routine.

The stepson of the villain in "Dharmatma" has stayed away from cinema, but is bringing glory to his father in this field.

If we consider Hindi cinema's best villain actors, actor Sudhir (Sudhir Stepson) would undoubtedly be included. He played the villain in several films like "Dharmatma" and "Shaan." Today, his stepson (Sudhir Stepson) has left the film industry and is bringing glory to his father in this field. Sudhir was a renowned Bollywood villain and had an illustrious acting career spanning five decades. This famous man is Sudhir's step- son. Actor Sudhir, also known as Bhagwandas Mulchand Luthria, was a veteran actor in Hindi cinema. Sudhir, who left his mark with his powerful performances in Bollywood films from 1960 to 2009, established his reputation as a negative character. His impressive acting prowess on the silver screen as a villain in films like Feroz Khan's "Dharmatma" and Amitabh Bachchan's "Shaan." Actor Sudhir also has a stepson who has maintained a distance from cinema and has made his father's name famous in a different field. Let's find out who he is and what he does. Who is Sudhir's step-son? Sudhir gained immense popularity in Hindi cinema for playing negative side roles. Everyone was terrified to see him on screen, as he portrayed the villain so brilliantly. During the peak of his career, Sudhir married Shaila Ray, whose first marriage did not work out well. However, Shaila was already the mother of a child, Ashok Banker. This makes Ashok Sudhir's stepson. Unlike his parents, Ashok didn't pursue a career in the film industry, but instead, he developed a passion for writing and reading, which has led to him becoming a renowned author in India today. Ashok Banker has written several famous works and brought glory to his family as a writer. If we look at the popular books of Ashok Banker, then it includes the names of more than one excellent novel, which are as follows - Prince of Ayodhya Prince of Rama Armies of Hanuman King of The Forest of Stories Ten Kings Most of these works of Ashok are related to I am Brown Ramayana, which shows that he was more inclined towards spirituality. Popular films of Sudhir Actor Sudhir passed away in the year 2014. But he left behind a golden legacy as a successful actor. Names of his major films are as follows - Dosti Hare Rama Hare Krishna Dharmatma Shaan Satta Pe Satta Deewar Dostana Sharabi Elaan Hai Jung Sa Tarah Se Is Tay In his acting career of 49 years, actor Sudhir had worked in at least more than 200 films.

"He cheated on me and..." Abhishek Bajaj's ex-wife makes shocking allegations, divorced 6 years ago

"He cheated on me and..." Abhishek Bajaj's ex-wife makes shocking allegations, divorced 6 years ago. Bigg Boss 19 fame Abhishek Bajaj is divorced. Ex-wife accuses Abhishek Bajaj of having affairs with multiple women. Abhishek Bajaj is being seen as a strong contestant in the controversial reality show Bigg Boss Season 19. Furthermore, there are speculations about his love affair with Ashnoor Kaur. Meanwhile, Abhishek's ex-wife, Akanksha Jindal, has made a shocking revelation. In a recent interview, Akanksha Jindal opened up about her marriage and divorce with Bigg Boss 19 fame Abhishek Bajaj. Akanksha revealed that the actor had cheated on her and was very controlling. Abhishek Bajaj cheated on his wife. In a conversation with Vicky Lalwani, Akanksha Jindal said, "He was involved with several women. Many people in the industry told me the truth about this." Akanksha explained that she caught Abhishek red-handed and received screenshots of his actions. When she questioned him about this, he started playing the victim card and instead started blaming her. Abhishek was against Akanksha becoming a creator. Akanksha explained that Abhishek was creating obstacles in her career. She said, "I was a typical CA kid (a studious girl). I was very creative and wanted to become a creator, but I wasn't supported. I was told I wasn't allowed to. I didn't know what it was like to be allowed and denied permission in a marriage." Akanksha Jindal also revealed that Abhishek Bajaj would ask her if she was a CA, why wasn't she just working at that. The actor didn't want Akanksha to become an influencer, actor, or interior designer. Akanksha further said, "He used to say, 'You become my manager. Work for me. You take care of my finances.' But I wanted to do more than just be someone's wife. I was ambitious too." Akanksha Jindal also called Abhishek a womanizer. When asked if she would be a part of Bigg Boss 19, she said that she does not want to be on the show for the past. She would like to be on the show only for herself. It is worth noting that Akanksha and Abhishek were school friends and got married in 2017. But the marriage ended within two years.

I was starting to feel ashamed... Vivek Oberoi's shocking revelation about the Masti franchise, reacting to adult comedy

Vivek Oberoi is a renowned Bollywood actor. The Masti film franchise has proven to be a milestone in his acting career. He will be seen in the upcoming film Masti 4. Previously, Vivek revealed that at one point, he felt ashamed of the Masti franchise. Vivek Oberoi will be seen in Masti 4. The actor revealed about the franchise. He felt ashamed of adult comedy. Vivek Oberoi is known as a versatile actor in Hindi cinema. He plays both comedic roles and villainous roles with great skill. If we consider the most successful film of Vivek's acting career, Masti is the name that comes to mind. He will soon be seen in the fourth installment of the Masti franchise. Meanwhile, Vivek Oberoi has expressed his reaction to continuing this adult comedy as he grows older. What did Vivek say about Masti? The trio of Vivek Oberoi, Ritesh Deshmukh, and Aftab Shivdasani first appeared together in the 2004 film Masti. Currently, the trio is 49, 46, and 47 years old respectively. The Masti franchise, aimed at adult audiences, was extended with the same trio in Grand Masti and Great Grand Masti in 2013 and 2016. There came a time when, at this age, the three actors began to feel ashamed of their film. Now, the trio will be seen together again in Masti 4. Regarding this, Vivek says, "It's been nine years since the last Masti was released. The three of us (Ritesh, Vivek, and Aftab) reached a point where we were ashamed of this film and what we were doing in it. Is this our age to do all this?" Recently, I deliberately teased everyone on the sets of Masti 4 by asking them that the first Masti was released 21 years ago. What would our actresses of Masti 4 have been doing then. They must have been in the age of wearing diapers then. When will Masti 4 release - Recently the latest teaser of adult comedy Masti 4 has been released. After watching which the excitement of the fans has increased a lot about this film. If we look at the release date of Masti Part 4, then this movie will be released in theatres on 21 November 2025. This time the direction of the film has gone from the hands of Indra Kumar to Milap Zaveri.